दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'विनम्रता वह शक्ति है, जो बिना शोर किए इंसान को ऊंचा उठा देती है, जबकि अहंकार वह बोझ है, जो चुपचाप उसे नीचे गिरा देता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-139 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 13 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

दिखावे से नहीं, विचारों से जिएं – यही सच्ची श्रद्धांजलि है बाबा साहब को

आज जब हम अंबेडकर जयंती के अवसर पर उत्सव, रैली और आयोजनों की चमक-दमक देखते हैं, तो एक गहरा प्रश्न मन में उठता है–क्या हम सच में बाबा साहब को मानते हैं, या केवल उन्हें मनाने का दिखावा करते हैं? यह विडंबना ही है कि जिन डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने पूरे जीवन को समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया, उनके अनुयायी आज उनके विचारों से भटकते हुए नजर आते हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। बाबा साहब का स्पष्ट संदेश था– 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।' लेकिन आज का युवा इन तीन मूल मंत्रों को अपनाने के बजाय, केवल एक दिन के उत्सव में खोकर रह गया है। डीजे की तेज धुन, रंगों का प्रदर्शन, और दिखावटी जुलूस–क्या यही अंबेडकरवाद है? क्या यही वह क्रांति है, जिसका सपना बाबा साहब ने देखा था?

सच यह है कि यह सब बाबा साहब के विचारों के बिल्कुल विपरीत दिशा में जा रहा है। उन्होंने कभी भी समाज में अहंकार, द्वेष और दिखावे को बढ़ावा नहीं दिया। बल्कि उनका पूरा जीवन विनम्रता, अध्ययन और संघर्ष का उदाहरण रहा। वे चाहते थे कि समाज का पढ़ा-लिखा वर्ग अपने कमजोर और पिछड़े भाइयों का सहारा बने, लेकिन आज वही वर्ग उनसे दूरी बनाकर अपने अहंकार में जी रहा है। आज समाज में एक खतरनाक प्रवृत्ति पनप रही है–दिखावे का अंबेडकरवाद। सोशल मीडिया पर बड़े-बड़े पोस्ट, जयंती पर भव्य आयोजन, लेकिन 364 दिन विचारों से दूरी। यह एक ऐसी मानसिकता है, जो समाज को दिशा देने के बजाय उसे भटका रही है। बाबा साहब ने स्वयं कहा था कि उन्हें मूर्तियों या तस्वीरों में सीमित न किया जाए, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारा जाए। गांवों में होने वाले आयोजन इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। जहां एक ओर सामूहिक भोज जैसे सकारात्मक प्रयास होते हैं, वहीं दूसरी ओर समय, संसाधन और संवेदनशीलता की अनदेखी भी होती है। मजदूर वर्ग, जो दिन-भर मेहनत कर अपना जीवन चलाता है, उसके समय और श्रम का सम्मान किए बिना आयोजन करना क्या सामाजिक न्याय है? यदि एक दिन के आयोजन के कारण सैकड़ों लोगों की मजदूरी का नुकसान होता है, तो यह बाबा साहब के 'अंतिम व्यक्ति' के सिद्धांत के खिलाफ है। बाबा साहब का सपना केवल जयंती मनाना नहीं था, बल्कि समाज में चेतना, शिक्षा और आत्मसम्मान का विकास करना था। उन्होंने अपने जीवन में कठिन संघर्षों को अपनाया, विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त की, लेकिन सुख-सुविधा का जीवन त्यागकर भारत लौटे और समाज के उत्थान के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। आज जरूरत है कि हम उनके इस त्याग और समर्पण को समझें। समाज के पढ़े-लिखे और सक्षम वर्ग की जिम्मेदारी सबसे अधिक है। जो लोग आरक्षण और अवसरों का लाभ लेकर आगे बढ़े हैं, उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे अपने समाज के पिछड़े वर्ग को भी आगे बढ़ाएं। यदि हर सक्षम व्यक्ति यह संकल्प ले कि वह एक जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा का जिम्मा उठाएगा, तो यह बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके साथ ही, समाज में संवाद और वैचारिक मंथन की परंपरा को मजबूत करना होगा। केवल नारे और जुलूस से परिवर्तन नहीं आता, बल्कि विचारों की गहराई और समझ से आता है। गांवों में, मोहल्लों में, स्कूलों में–बाबा साहब के जीवन और उनके विचारों पर चर्चा होनी चाहिए। उन लोगों का सम्मान किया जाना चाहिए, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर सफलता हासिल की है, ताकि वे दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकें।

यह भी जरूरी है कि हम अपने भीतर झांकें। क्या हम वास्तव में बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में उतार रहे हैं? या फिर केवल एक दिन के उत्सव के जरिए अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं? आज समय की मांग है कि हम दिखावे और आडंबर से ऊपर उठें और वास्तविक अंबेडकरवाद को अपनाएं। वह अंबेडकरवाद, जो शिक्षा, समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय पर आधारित है।

अंततः, यही कहा जा सकता है कि–बाबा साहब को मानना आसान है, लेकिन उनके विचारों को मानना कठिन। और जब तक हम इस कठिन रास्ते को नहीं अपनाएंगे, तब तक अंबेडकर जयंती केवल एक उत्सव बनकर रह जाएगी, न कि एक सामाजिक क्रांति का माध्यम। अब निर्णय हमें करना है–हमें जश्न मनाना है, या बदलाव लाना है।

नारी शक्ति वंदन से बदलेगी देश की सियासत

नागौर देहात जिलाध्यक्ष बोलीं- विधानसभा में बढ़ेंगी महिला विधायक, 33' आरक्षण मिलेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर। नागौर देहात की भाजपा जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड़ ने कहा है कि नारी शक्ति वंदन के लागू होने से देश की राजनीति में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि महिलाओं को 33' आरक्षण मिलने से विधानसभा में उनकी भागीदारी बढ़ेगी और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका पहले से अधिक मजबूत होगी। सीकर में आज(रविवार) भाजपा जिलाध्यक्ष ?सुनीता रांदड़ भाजपा के 'नारी शक्ति वंदन' अभियान को लेकर भाजपा महिला कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रही थी। बैठक में मुख्य वक्ता रांदड़ ने कहा इस बार महिला आरक्षण लागू होगा, इसलिए महिला विधायकों की संख्या भी बढ़ेगी?।

महिला आरक्षण बिल देश की आधी आबादी के लिए होगा ऐतिहासिक

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का महिला आरक्षण बिल देश की आधी आबादी के लिए ऐतिहासिक सिद्ध होगा और इससे राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से अब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें रिजर्व होंगी।

नीति निर्माता बनकर देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगी महिलाएं

उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को सोशल मीडिया और नमो ऐप के जरिए इस कानून के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। महिलाएं अब नीति निर्माता (Decision Makers) बनकर देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। इस बैठक के दौरान पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष इंदिरा चौधरी, शारदा काबरा, भंवरी खोखर, सुमन वर्मा, उमा सैनी और अनुराधा समेत अनेक भाजपा महिला पदाधिकारी और कार्यकर्त्ता मौजूद रहीं।

शादी में अब मिलेंगे 3 कमर्शियल गैस सिलेंडर

DSO-SDM ऑफिस करना होगा अप्लाई, शादी का कार्ड दिखाना होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं। झुंझुनूं में शादियों के सीजन में हलवाई और खाने-पीने के इंतजाम के लिए गैस की किल्लत से जूझ रहे परिवारों को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने आमजन की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था लागू की है, जिससे शादी समारोह में गैस की उपलब्धता आसान हो सके।

शहरी में 3, ग्रामीण में 2 सिलेंडर मिलेंगे

जिला रसद अधिकारी डॉ. निकिता राठौड़ ने बताया - अब शादी वाले परिवारों को शहरी क्षेत्रों में 3 कमर्शियल गैस सिलेंडर और ग्रामीण क्षेत्रों में 2 सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे शादी समारोह के दौरान होने वाली परेशानी कम होगी।

आवेदन के लिए ये दस्तावेज जरूरी

सिलेंडर के लिए आवेदन करते समय शादी का निमंत्रण पत्र (कार्ड) और आधार कार्ड साथ ले जाना अनिवार्य होगा। इसके आधार पर ही सिलेंडर जारी किए जाएंगे। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सिलेंडर की डिलीवरी केवल OTP के माध्यम से ही की जाएगी, ताकि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गैस लेने की संभावना न रहे। प्रवासी श्रमिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें 5 किलोग्राम क्षमता (FTL) के छोटे गैस सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरतों को आसानी से पूरा कर सकें।

रामपुरा में रास्ता नंबर 345 पर अतिक्रमणः रास्ते से आवागमन काफी मुश्किल, अतिक्रमण हटाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। अटेली खंड के गांव रामपुरा में रास्ता नंबर 345 पर अतिक्रमण के कारण रास्ता अत्यंत सिकुड़ा हुआ है। यह रास्ता तीन करम साढ़े 16 फुट का है लेकिन अतिक्रमण के चलते केवल चार फीट तक ही बचा है। इस कारण इस रास्ते से आवागमन करना काफी मुश्किल बना हुआ है। इस रास्ते पर 50 के करीब घरों का आवागमन है। अतिक्रमण के चलते चार पहिये के वाहनों तो निकल ही नहीं पाते है। रास्ते से अतिक्रमण हटाने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर समाधान शिविर में भी उठा चुके है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीण जगबीर, धर्मबीर, सतबीर, राजेश, महाबीर आदि ने बताया कि नानकचंद के घर से लेकर गिरधारी के घर तक लोगों ने रूडी, खाद, इंधन आदि डाल कर रास्ते पर अतिक्रमण

किया हुआ है। इस कारण रास्ते से आना-जाना काफी कष्टदायक रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते पर लोगों ने काफी समय से अतिक्रमण किया हुआ है। इस रास्ते पर बढ़ते अतिक्रमण को बीडीपीओं अटेली दो बार खाली करवा चुके है लेकिन कुछ लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आते है। वर्षा व रात्रि के समय तो इस मार्ग के चलना काफी दिक्कतों भरा है।

अम्बेडकर भवन झुंझुनूं में आज आयोजित होगा विशाल रक्तदान शिविर, तैयारियाँ पूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती और महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय स्थित अम्बेडकर भवन में आज, 13 अप्रैल को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर को लेकर आयोजकों और कार्यकर्ताओं द्वारा सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। अम्बेडकर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अमरसिंह धीरज और संरक्षक महावीर सानेल ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगा। उन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान से शरीर में नए ब्लड सेल्स बनने लगते हैं, जिससे हार्ट अटैक की संभावना कम होती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने के लिए टीम के सदस्य संदीप पाटिल, अजय वर्मा नुआ (कांग्रेस कमेटी एससी प्रकोष्ठ जिला मीडिया प्रभारी झुंझुनूं), देवकरण महरिया, लोकेश सेवदा (लाइफ लाइन ब्लड हेल्पलाइन), विकास देरवाला, पवन गुढ़ा बावनी, धर्मेंद्र, सुनील कुमार, मानसिंह, विजय सिंह, सुदर्शन महरिया और अशोक खटनावलिया सहित पूरी टीम उत्साह के साथ जुटी हुई है। आयोजकों ने जिले के युवाओं और प्रबुद्ध जनों से अपील की है कि वे सोमवार को आयोजित होने वाले इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करें और इस सेवा कार्य को सफल बनाएं।

जापानी जोन प्रीमियर लीग का आगाज़, कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सराहनीय पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराणा।

रमेशचंद। जापानी ज़ोन की कंपनियों के मानव संसाधन प्रमुखों की पहल पर प्रथम जापानी जोन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर काई इंडिया के एचआर प्रमुख अमित यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारियों के तकनीकी व मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस भी उतनी ही आवश्यक है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत स्पोर्ट्स अकादमी, नीमराणा में 12 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 3 मई 2026 तक प्रत्येक रविवार को किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में जापानी ज़ोन की विभिन्न कंपनियों के कर्मचारी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर जापानी ज़ोन की विभिन्न कंपनियों के जापानी प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अमापाई कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट

लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मकोतो मोरी, एस्टेमो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नोबुहिरो तोजो, रेसोनैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रेई यामामोतो, नीमराना स्टील सर्विस सेंटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के फैक्ट्री प्रमुख ताकाशी सेको तथा काई आइडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक युजी नागाओका शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान मानव संसाधन प्रमुखों बृजेश यादव, संजय राणा, अमित यादव, रवि ठाकुर, आशाराम, विपिन, प्रदीप, मनीष और बिजेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह टूर्नामेंट कर्मचारियों में टीम भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

स्वर्णकार सेवा समिति मंडावा द्वारा निःशुल्क जॉच ओर परामर्श चिकित्सा शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

प्रियंका हॉस्पीटल जयपुर के चिकित्सको ने दी सेंवाए, 70 लोग हुए लाभान्वित

पीड़ित मानव सेवा ही परम धर्म नीति को लेकर रविवार को मंडावा नगरपालिका चौक में स्थित महाजन पंचायत भवन में स्वर्णकार सेवा समिति मंडावा के तत्वाधान में विभिन्न रोगो के उपचार ओर निदान को लेकर शिविर आयोजित किया गया। आयोजित इस निःशुल्क जॉच ओर परामर्श चिकित्सा शिविर में प्रियंका हॉस्पीटल एंड कार्डियक सेन्टर जयपुर के अनुभवी चिकित्सक डॉ. विशाल हदय रोग विशेषज्ञ,डॉ. नवदीप फिजिशियन, जुनैद, दौलत,अनिला कुमारी ने अपनी सेंवाए दी। शिविर में 70 लोगो ने रोगो की जॉच करवाकर लाभ उठाया। इस अवसर पर समिति के सजन लाल सोनी,प्रमोद कुमार,भवानी शंकर पालिका के चैयरमैन नरेश कुमार सोनी के नेतृत्व में अन्य सदस्यो ने चिकित्सक टीम का माल्यापर्ण कर स्वागत किया। इस मौके पर विश्वनाथ, जुगलकिशोर, प्रभुदयाल, सुनिल कुमार, प्रदीप कुमार, राजकुमार, मनोज कुमार व राजकुमार सिंघानिया ने भी सहयोग कर अपनी सेवाए दी।

'छात्र ही समाज और राष्ट्र का भविष्य':

झुंझुनूं में ब्राह्मण गौरव सम्मान समारोह, 76 छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं। विप्र फाउंडेशन के तत्वावधान में ब्राह्मण गौरव सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के 76 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने अपने संबोधन में शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा- ब्राह्मण समाज का इतिहास हमेशा से ज्ञान और त्याग का रहा है। आज के युग में शिक्षा ही वह शस्त्र है, जिससे हम समाज की कुरीतियों को मिटा सकते हैं और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। 90' से अधिक अंक लाना केवल आपकी

व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह आपके माता-पिता के संस्कारों और समाज की बौद्धिक विरासत की जीत है।

समाज के लोगों की मदद करें

दाधीच ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मेधावी छात्रों को केवल करियर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की मदद के लिए भी आगे आना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक उमाशंकर महमिया एवं राकेश सहल ने बताया कि इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में जिले का नाम रोशन करने वाली 76 प्रतिभाओं को मंच पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर महमिया ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया ने विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संरक्षक राजेंद्र जोशी, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. आशा शर्मा, सह संयोजक राकेश सहल और दाधीच सेवा समिति के जिलाध्यक्ष रामनिवास दाधीच उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्यामसुन्दर दाधीच, रमेश चौमाल, मनोज दाधीच, विकास शर्मा, एडवोकेट नीरज शर्मा, ममता शर्मा (महिला जिलाध्यक्ष), डॉ. विद्या पुरोहित सहित विप्र समाज के सैकड़ों प्रबुद्धजन और मातृशक्ति उपस्थित रही। संचालन शिक्षाविद सत्यनारायण शर्मा ने किया और जिला मंत्री विकास पुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त किया।

टूटे कप, बोतल और डिब्बे

फेंकना बंद करें! बनाएं स्टाइलिश प्लांटर

घर में कई ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हम बेकार समझकर फेंक देते हैं–जैसे टूटे मग, प्लास्टिक बोतल, पुराने डिब्बे या फिर नारियल की खोल। लेकिन थोड़ी क्रिएटिविटी से इन्हीं चीजों को डीआईवाई प्लांटर्स में बदलकर शानदार होम गार्डन किया जा सकता है। इससे न केवल किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल होता है बल्कि पौधों की ग्रोथ भी अच्छी होती है। छोटे–छोटे कंटेनर पौधों की जड़ों को सुरक्षित रखते हैं और बालकनी या खिड़की को ग्रीन लुक देते हैं। आइए जानते हैं 5 ऐसी बेकार चीजें जिनसे आप आसानी से प्लांटर बना सकते हैं और उनमें कौन–से पौधे सबसे अच्छे उगते हैं।

टूटे कॉफी मग से मिनी प्लांटर

टूटे या पुराने कॉफी मग छोटे पौधों के लिए बेहतरीन प्लांटर बन सकते हैं। बस नीचे छोटा ड्रेनेज होल बना दें और मिट्टी भरकर पौधा लगा दें। टूटे–फूटे कॉफी मग में आप सुक्यूलेंट, कैक्टस, स्नेक प्लांट या मनी प्लांट की छोटी कटिंग रोप सकते हैं।

प्लास्टिक बोतल से हैंगिंग प्लांटर

खाली प्लास्टिक बोतल को बीच से काटकर उसमें मिट्टी भरें और रस्सी की मदद से लटका दें। यह बालकनी या दीवार पर शानदार हैंगिंग गार्डन बनाता है। मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, पुदीना और पोथोस समेत दूसरे हैंगिंग मिनी प्लांट लगा सकते हैं।।

पुराने टिन के डिब्बों से किचन गार्डन

बिस्किट या फूड के टिन डिब्बे को साफ करके उसमें मिट्टी भरें और किचन हर्ब्स उगाएं। यह छोटा किचन गार्डन बनाने का आसान तरीका है। टिन के डिब्बे के तले में छेद करने के बाद तुलसी, धनिया, पुदीना, पार्सले के प्लांट्स आसानी से ग्रो करते हैं।

नारियल के छिलके से नेचुरल प्लांटर

नारियल का आधा छिलका मिट्टी भरने के लिए एकदम सही प्राकृतिक कंटेनर होता है। इसे रस्सी से लटकाकर सजावटी प्लांटर भी बनाया जा सकता है। नारियल के छिलके का स्पेस कम होता है, इसलिए इसमें मिनी प्लांट जैसे पोर्टुलाका, सुक्यूलेंट और छोटे फूल वाले पौधे लगा सकते हैं।

पुराना लकड़ी का बॉक्स या क्रेट

पुराने फ्रूट बॉक्स या लकड़ी के क्रेट को पेंट करके बड़ा प्लांटर बनाया जा सकता है। इसमें कई पौधे एक साथ लगाए जा सकते हैं। पुराना लकड़ी का बॉक्स या क्रेट में लेट्यूस, पालक, टमाटर, गेंदा या छोटे सब्जी पौधे आसानी से बढ़ते हैं।

टांग दें गुड़हल के पौधे में ये सफेद सस्ती चीज, बिना मुरझाए तेजी से बढ़ेगा पौधा

क्या गुड़हल के गमले में कपूर रखने से कीड़े नहीं लगते? जानें पौधों के पास कपूर रखने के फायदे, यह कैसे कीड़े–मकोड़ों को दूर रखने में मदद करता है और गुड़हल के पौधे की देखभाल के आसान गार्डनिंग टिप्स।

गर्मियों के मौसम में गुड़हल से खूब फूल मिलते हैं। अगर आप भी पूरी गर्मी इस पौधे को खिला रखना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर खासा ध्यान देना होगा। अक्सर देखभाल न होने पर गुड़हल के फूल खिलना बंद हो जाते हैं या पत्तियां कटी फटी दिखने लगती हैं। ऐसा कीट, चीटियों या फंगस के कारण हो सकता है। आप केवल कपूर के छोटे टुकड़े को कपड़े में बांधकर गमले में एक डंडी की मदद से टांग दें। ऐसा करने से गुड़हल का पौधा सुरक्षित हो जाएगा। जानिए पौधे में कपूर टांगने से क्या फायदे होते हैं।

कीड़े–मकोड़ों को दूर रखने में मदद

कपूर की तेज सुगंध एफिड्स, मच्छर और कुछ छोटे कीड़ों को गुड़हल के पौधे से दूर रखने में मदद कर सकती है। इससे गुड़हल की पत्तियों और कलियों पर कीड़े लगने का खतरा कम हो जाएगा।

फंगस और बदबू होती है कम

कपूर में हल्के एंटीफंगल गुण होते हैं। गमले के आसपास कपूर रखने से नमी से बनने वाली बदबू और कुछ फंगल समस्या भी कम हो जाती है। ध्यान रखें कि कभी भी कपूर को बिना कपड़े के पौधे में न टांगे। साथ ही पत्तियों से भी न टच कराएं।

चींटियों से बचाव

गर्मियों में चीटिंया बहुत आती हैं। अगर गमले में चींटियां बार–बार आ रही हैं, तो कपूर की खुशबू से दूर भाग जाएंगी। चीटिंया गुड़हल की पत्तियां खा जाती हैं, जिससे पौधे को नुकसान पहुंचता है।

मच्छरों को दूर रखने में मददगार

कपूर की गंध मच्छरों को पसंद नहीं होती हैं इसलिए बालकनी से मच्छरों को भगाने के लिए भी गुड़हल के पौधे में कपूर टांग सकते हैं। गार्डन में पौधों के पास कपूर रखने से वातावरण भी महक उठेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

1–2 कपूर की टिकिया को छोटे कपड़े में बांधकर गमले के किनारे टांग दें।

हर 7–10 दिन में कपूर बदल देना बेहतर रहता है। कपड़े के कारण कपूर उड़ जाता है, तो दोबारा कपूर लगाना न भूलें।

कपूर को पीसकर मिट्टी में मिलाने से बचें वरना पौधे पर बुरा असर हो सकता है।

अगर आप अपने घर की बालकनी या किसी छोटी सी जगह को, सीमित बजट में एक खूबसूरत बगीचे में बदलना चाहते हैं, तो बेकार पड़ी चीजों से गमले बनाकर, रंग–बिरंगे कपड़ों से सजाकर, लटकने वाले गमले और सस्ती लाइटें लगाकर बिना पैसे खर्च किए अपने घर को फूलों की खुशबू और हरी–भरी हरियाली से भर सकते हैं।

कबाड़ से बनाएं खूबसूरत गार्डन

जानें लो-बजट गार्डनिंग के सीक्रेट

आजकल शहरी इलाकों में लोगों के पास रहने की जगह की अक्सर कमी होती है, नतीजतन, बहुत कम लोग ही अपने घरों में बालकनी गार्डन बना पाते हैं। अगर किसी के पास जगह होती भी है चाहे घर के अंदर हो या बालकनी में और वे गार्डन बनाने के बारे में सोचते भी हैं, तो अक्सर बजट की चिंता के कारण पीछे हट जाते हैं। हालांकि, यह एक गलत सोच है कि बालकनी गार्डन बनाने के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इसके लिए बस थोड़ी सी क्रिएटिविटी और सही प्लानिंग की जरूरत होती है। थोड़ी सी सूझ–बूझ का इस्तेमाल करके, आप अपने घर की बालकनी को एक शानदार और सुंदर जगह में बदल सकते हैं। एक सुंदर बालकनी न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि उसके पूरे माहौल को भी बेहतर बनाती है। आइए हम आपको दिखाते हैं कि कम बजट में एक शानदार बालकनी गार्डन कैसे बनाया जाए।

कम बजट में अपने बालकनी गार्डन को सुंदर बनाने के लिए, आप 5 आसान टिप्स अपना सकते हैं– फेंकी हुई चीजों से गमले बनाएं, रंग–बिरंगे कपड़ों से सजावट करें, किचन गार्डन बनाएं, अपने पौधों के लिए सही जगह और धूप सुनिश्चित करें, और पुराने फर्नीचर को एक नया रूप दें। ये कदम आपके घर के गार्डन को एक ताजा और मनमोहक रूप देंगे।

कबाड़ से कुछ नया बनाना

आप अपने बालकनी गार्डन को बनाने के लिए फेंकी हुई चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्लास्टिक की बोतलों, पुराने टायरों, टिन के डिब्बों, टूटे हुए बर्तनों या लकड़ी के बक्सों को पेंट करके या सजाकर सुंदर गमलों में बदल दें। इससे पैसे भी बचते हैं और आपके गार्डन को एक अनोखी सुंदरता मिलती है।

हैंगिंग गमले का इस्तेमाल करें

अपने बालकनी गार्डन में छोटे पौधों के लिए, प्लास्टिक की बोतलों या नारियल के छिलकों को दोबारा इस्तेमाल करके लटकते गमले बनाएं। यह न केवल एक किफायती उपाय है, बल्कि इससे आपके गार्डन को एक अनोखा रूप भी मिलेगा। इस तरह, आपको ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे, और आपका गार्डन भी सुंदर दिखेगा।

कम लागत वाली लाइटिंग

अपने बगीचे को रोशन करने के लिए, महंगे फिक्स्चर के बजाय फेयरी लाइट्स या सोलर लाइट्स का इस्तेमाल करें। ये बहुत कम बिजली खर्च करती हैं और रात में बालकनी पर सचमुच एक जादुई माहौल बना देती हैं।

पुराने फर्नीचर का दोबारा इस्तेमाल

नया फर्नीचर खरीदने के बजाय, अपनी पुरानी कुर्सियों और मेजों पर पॉलिश करें या उन पर पेंट का एक नया कोट लगाएं। इससे न केवल आपके पैसे बचेंगे, बल्कि आपके बगीचे को एक देहाती और आरामदायक लुक भी मिलेगा।

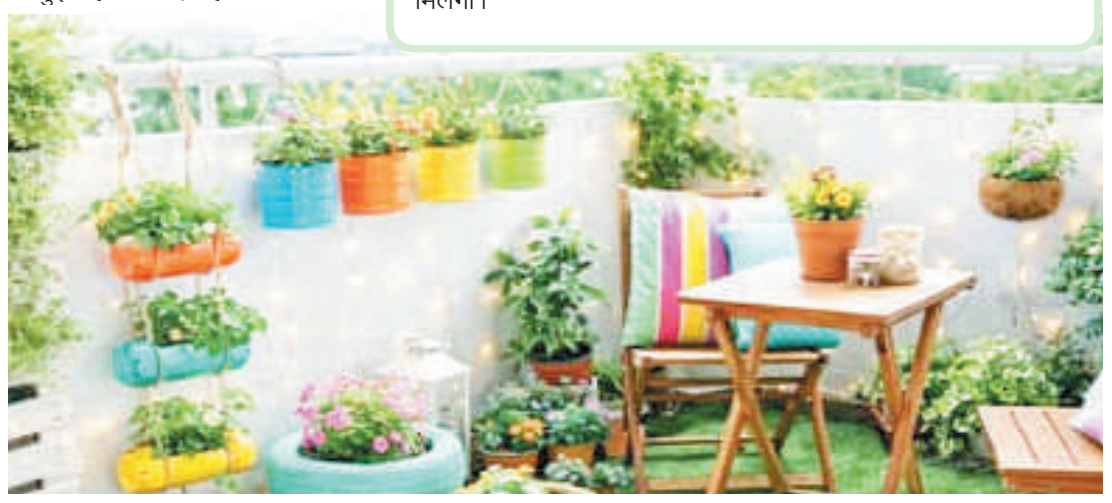

गर्मी में लगाएं फ्लावर प्लांट खुशबू से महकेगा पूरा घर

हर रोज हम भगवान को खरीद कर फूल चढ़ाते हैं। लेकिन अगर हम बालकनी में इन्हें लगाएं , तो मंदिर में सीधे उसकी खुशबू पहुंचेगी। हम फ्रेश फूल ईश्वर को अर्पित कर सकते हैं। चलिए बताते हैं, 6 फूलों के बारे में गमले में लगा सकते हैं।

फूल ना सिर्फ बालकनी या गार्डन की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि पूजा के काम भी आते हैं। कई फूलों में तो औषधिय गुण होते हैं, जिसे शरीर को फायदा भी मिलता है। गुड़हल, गुलाब, मालती, अपराजित समेत कई फूल हैं, जिसे गमले में आसानी से लगा सकते हैं।

गुड़हल

गुड़हल को हम गमले में लगाकर पूरे साल फूल पा सकते हैं। इस फूल से देवी दुर्गा, काली की पूजा की जाती है। इसमें कई तरह के औषधिय गुण भी होते हैं, जो आपके बालों से लेकर चेहरे तक का ख्याल रख सकता है। गुड़हल को तेज धूप वाली जगह पर लगाएं। सर्दी, गर्मी, बरसात तीनों मौसम में यह खिलता है। लाल–गुलाबी, सफेद कई रंग में इसके फूल आते हैं।

चमेली

चमेली का प्लांट अगर आप बालकनी में लगाते हैं, तो उसकी खुशबू पूरे घर में फैल जाती है। व्हाइट रंग के इस फूल को आप हैंगिग भी लगा सकते हैं। गर्मी में यह खिलने वाला पौधा है।

गुलाब

गुलाब किसी नहीं पसंद, इसे फूलों का राजा कहा जाता है। गुलाब में कई वैराइटी आती है, लेकिन रेड रोज सबसे ज्यादा घरों में पाया जाता है। देवी सरस्वती को गुलाब के फूल बहुत पसंद है। गुलाब भी सालों खिलता है। इस प्लांट को भी तेज रोशनी की जरूरत होती है। 15 दिन में इसमें खाद डालते रहें। गर्मी में इसमें सुबह और शाम पानी जरूर दें।

अपराजिता

अपराजित में नीले रंग का फूल निकलता है। अपराजिता लता होती है, इसलिए इसे रस्सी के सहारे ऊपर ले जा सकते हैं। गमले में इस आसानी से उगा सकते हैं। भगवान विष्णु को अपराजिता के फूल बहुत पसंद हैं। इसके फूल में औषधिय गुण भी होते हैं। आप चाय बनाकर पी सकते हैं। यह इम्युन सिस्टम को बूस्ट करता है।

ब्रह्मकमल

ब्रह्मकमल नीले, बैगनी, सफेद या मैजेंटा रंग में खिलता है। भगवान श्रीकृष्ण के नीले रंग जैसे दिखने की वजह से इसे कृष्णकमल कहा जाता है। अनोखे लुक की वजह से तितलियों को यह फूल बहुत ही आकर्षित करता है। कृष्णकमल बेल के फूल में नीचे पंखुड़ियां, उसके ऊपर महीने रेशे होते हैं। इसके साथ 2–3 शेड के घेरे होते हैं।

मधुमालती

खुशबूदार फूलों वाली बेल मधुमालती के गुच्छों में लगे सुंदर फूल देखने में लाल, गुलाबी, सफेद रंगों के होते हैं। मधुमालती बेल के आस–पास इसके फूलों की मोहक खुशबू छाई रहती है जो कि सुबह–शाम बड़ी अच्छी लगती है। इस लता के पत्ते हरे रंग के होते हैं।

गमला हुआ पुराना, पुरानी केतली से बनाएं स्टाइलिश मिनी गार्डन

छोटी जगह पर बड़े–बड़े गमले रखना स्टोरेज खत्म करने के साथ काफी आउटडेटेड लगता है। अगर आप भी बालकनी को खूबसूरत और यूनिक दिखाना चाहते हैं तो बेसिक आइडियाज की बजाय कुछ क्रिएविट करने की जरूरत है। हर घर में चाय वाली केतली जरूर होती है, जो कपबोर्ड या किचन में बिना इस्तेमाल रखे रहती है। यदि कहा जाए, इन्हीं केतली की मदद से आप लटकते हुए पौधे लगाकर होम डेकोर को ट्रेंडी और नेचुरल बना सकते हैं। खास बात है कि इनकी देखभाल करना काफी ज्यादा आसान है, तो चलिए जानते हैं आशियाने में स्मार्टनेस और यूनिकनेस जोड़ने के लिए केतली से मिनी गार्डन कैसे तैयार करें।

केतली में गार्डिंग कैसे करें ?

पुरानी, मेटल, सिरेमिक या स्टील की केतली लें केतली के नीचे 2–4 छोटे छेद कर ड्रेनेज की व्यवस्था करें

मिट्टी से छोटे पत्थर, कंकड़ या टूटे टाइल्स डालें नॉर्मल सॉयल की बजाय 1.1.1 की अनुपात में गार्डन मिट्टी, कंपोस्ट और कोकोपीट लें

बस आपका बेस तैयार है, इसमें पौधों को उगाया जा सकता है

केतली में कौन से पौधे उगाएं जा सकते हैं ?

तुलसी

केतली में तुलसी उगाना सबसे बढ़िया है। यह हल्की धूप और कम पानी में अच्छे से बढ़ता है।

पुदीना

केतली में पुदीना उगाया जा सकता है, इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत भी नहीं होती है।

मनी प्लांट

यह पौधा केतली में आसानी से उग जाएगा, इसे आप पानी और मिट्टी दोनों में लगा सकते हैं। मनी प्लांट की बेल और केतली का कॉम्बिनेशन काफी प्यारा लगता है।

स्पाइडर प्लांट

घर की हवा शुद्ध करने के लिए इनडोर या आउटडोर आप स्पाइडर प्लांट लगा सकते हैं। हालांकि इसके लिए नॉर्मल नहीं बल्कि हैंगिंग केतली का यूज करें।

सक्युलेंट्स

केतली का साइज छोटा है तो सेक्युलेंट्स से बढ़िया कुछ नहीं है। ये कम पानी में बहुत आसानी से उग जाते हैं और डेकोरेटिव लुक देते हैं।

केतली गार्डन डेकोरेशन आइडिया

अगर आप पेड़–पौधों को डेकोरेटिव दिखाना चाहते हैं तो हैंगिंग केतली प्लांटर का इस्तेमाल करें। आप रंग–बिरंगी केटल्स को रस्सी या चेन से

टांग सकते हैं। अगर आप टेबल या थ–सेल्फ पर केतली गार्डनिंग कर रहे हैं तो केतली को थोड़ा झुका दें, और साथ में छोटा सा पौधा लगाएं। ये पोरिंग टी गार्डन जैसा लुक देगा।

बाजार में छोटी–छोटी केतली सेट मिल जाएंगे, जिसे आप किचन शेल्फ गार्डन में तब्दील कर सकते हैं। इसमें हर्ब्स लगाना ज्यादा बेहतर है। यदि आपके पास पुराने जमाने की केतली है, तो इसे रंग–बिरंगे कलर से पेंट करके पौधे लगाएं। जो यूनिक और डेकोर दोनों का काम करेगी।

बालकनी में ज्यादा जगह नहीं है तो आप लकड़ी के बोर्ड पर केतलियां लगाकर वर्टिकल गार्डन बना सकते हैं।

विधायक चंद्रप्रकाश ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में नवनिर्मित हाल कमरे का किया उदघाटन

विधायक चंद्रप्रकाश ने ज्योतिबा फुले जयंती समारोह व बाबा साहेब अंबेडकर जन्मोत्सव में की शिरकत

ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब ने महिलाओं और दलितों की शिक्षा व समानता के लिए अविस्मरणीय कार्य किया : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । डॉ. बी. आर. अंबेडकर वेलफेयर क्लब व शिरोमणि संत गुरु रविदास सभा द्वारा गांव असरावां में आयोजित ज्योतिबा फुले जयंती व बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर जन्मोत्सव में विधायक चंद्रप्रकाश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर आयोजक मंडल व ग्रामवासियों ने चंद्रप्रकाश का जोरदार स्वागत करते हुए फूल मालाएं पहनाकर व पुष्पगुच्छ देकर उनका सत्कार किया। इस दौरान चंद्रप्रकाश ने समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति में वीएएनजीवाई व डी प्लान के अंतर्गत गांव असरावां में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में नवनिर्मित हाल कमरे का उदघाटन भी किया। समारोह में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि आयोजक मंडल द्वारा जो मान-सम्मान मिला है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि असरावां के अंबेडकर वेलफेयर क्लब व संत गुरु रविदास सभा ने समारोह का आयोजन करके युवा पीढ़ी तक समाज सुधारकों के संदेश को पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब ने महिलाओं और दलितों की शिक्षा व समानता के लिए अविस्मरणीय कार्य किया है। उन्होंने समस्त देशवासियों को सही ढंग से जीने की नई राह दिखाई। इसलिए हम सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले हमेशा जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ रहे और इस सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलवाने के लिए आजीवन संघर्ष करके मिसाल कायम की है। इसी भांति बाबा साहेब अंबेडकर ने समाज सुधारक, अर्थशास्त्री व विधिवेत्ता के रूप में देश निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे सामाजिक और आर्थिक समानता के प्रबल पक्षधर रहे और जाति व्यवस्था एवं अस्पृश्यता का कड़ा विरोध किया। उनका व्यक्तित्व आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि असरावां में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में नए हाल कमरे का निर्माण होने से ग्रामवासियों को काफी लाभ मिलेगा। यहां विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्य सहजता से किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि वे आदमपुर हलके के हर गांव व हर क्षेत्र के विकास के लिए प्रयत्नशील हैं। इसलिए उन्होंने विधासभा में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़, पेयजल व सिंचाई के पानी से संबंधित मुद्दे प्रमुखता से उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसी भांति किसानों को पर्याप्त सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए भी वे प्रयासरत हैं।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 35 जनों का ऑपरेशन के लिए हुआ चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भगवा रक्षा वाहिनी एवं शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का सफल आयोजन किया गया। भगवा रक्षा वाहिनी के संयोजक जयशंकर पुजारी ने बताया कैंप से 35 जनों को जयपुर सर्जरी के लिए भेजा गया । आयोजित टीम में राकेश हरिपुरा, भंवर सिंह, हेमंत व ऋषिकुल विद्यापीठ बीएड कॉलेज के विधार्थियों ने अपनी सेवाएं दी। उन्होंने बताया कि पंडित निखिल पुजारी के द्वारा विधि विधान से पूजा करवा कर कैंप का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन का सारा खर्चा निःशुल्क रहेगा व आने जाने का खर्चा भी निःशुल्क रहेगा। इस अवसर पर भगवा रक्षा वाहिनी के संरक्षण के सुरेश जाजोदिया ललित भूत अनिल मिश्रा गिरधारी लाल जाजोदिया शंभू दयाल बिल सनातन धर्म मंडल के अध्यक्ष बनवारी लाल पुजारी दीनदयाल जोशी चिराग पुजारी भगवा रक्षा वाहिनी के उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार नवीन काछवाल अमित जोशी प्रवक्ता रवि जोशी संजय जोशी आशीष खाटुवाला सुशील पुजारी विवेक शर्मा राजेंद्र शर्मा महेश सेन गोविंद सेन ने शिविर में अपनी निःशुल्क सेवाएं दीं।

समाजसेवी स्व.बागड़ी की 12वीं पुण्यतिथि आज

संतों के सानिध्य, प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड व सम्मान समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सेवा व परोपकार के लिए जिला प्रशासन से सम्मानित संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से समाजसेवी स्व. आनंद कुमार बागड़ी की 12वीं पुण्यतिथि पर सोमवार 13 अप्रैल को शाम 4.15 बजे स्टेशन मार्ग पर सैनी भवन के पास स्थित आनंद विला में पुष्पांजलि कार्यक्रम, महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड 2026 व नवनियुक्त सरकारी कार्मिकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के चेयरमेन महेश बागड़ी ने बताया कि 13 अप्रैल को समाजसेवी स्व. बागड़ी की 12वीं पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई जाएगी तथा इस अवसर पर संतों का सानिध्य, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों का आतिथ्य व प्रबुद्ध जनों की मौजूदगी रहेगी। उन्होंने बताया कि सोमवार 13 अप्रैल को अपराह्न 3बजे से शाम 4 बजे तक अतिथियों व प्रवासियों का राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ का अवलोकन किया जायेगा ।जबकि स्टेशन मार्ग पर सैनी भवन के पास स्थित आनंद विला बागड़ी कोठी पर शाम 4.15 बजे से शाम 5 बजे तक समाजसेवी स्व. बागड़ी के आवक्ष चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी ।जबकि मुख्य समारोह शाम 5 बजे आनंद विला में शुरू होगा ।उन्होंने बताया कि शेखावाटी के सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर महंत ओमनाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी व ट्रस्ट के संरक्षक अनिल कुमार बागड़ी करेंगे। जबकि समारोह में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, आयकर विभाग के एडिशनल कमिश्नर अरविंद कुमार गहलोत, उधोगपति सुमेर सिंह सैनी जयपुर, फुलचंद सैनी जयपुर, भंवरलाल सुईवाल जयपुर, ओमप्रकाश मिटावा जयपुर, बिहारीलाल धूपिया जयपुर, कैलाश सैनी जयपुर, चौथमल खडोलिया सीकर, लक्षमनगढ उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फारूक अली, प्रशासनिक अधिकारी सवाईसिंह जग्गूका, ओंकारमल सैनी, कंपनी सेक्रेटरी वैजनाथ माली, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान जयपुर के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, महामंत्री पूनमचंद कच्छावा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी झुंझुनूं, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, निवर्तमान प्रधान मदन सेवदा, चैयरमेन मुस्तफा कुरैशी, समाजसेवी रामप्रसाद राकसिया जयपुर, सुनील गहलोत सीकर, सुमेर कुमार गौड़ फतेहपुर, एडवोकेट ग्यारसी लाल सैनी जयपुर, कर्मचारी नेता संजय कुमार सैनी, यादराम सैनी, महावीर सिंह चौहान, विजय कुमार खडोलिया सम्मानित अतिथि होंगे।

14 अप्रेल को बाबा साहेब की जयंती पर नीले रंग में रंगेगा मंडावर

अंबेडकर जयंती पर उमड़ेगा जनसैलाब, भव्य शोभायात्रा से चहुँओर गूंजेगा 'जय भीम'

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जब जागता है समाज, तब बदलती है तकदीर '–कुछ ऐसा ही ऐतिहासिक नजारा 14 अप्रैल को मंडावर की धरती पर देखने को मिलेगा, जब भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर बैरवा समाज एकजुट होकर सामाजिक चेतना, समानता और अधिकारों के संदेश के साथ भव्य शोभायात्रा निकालेगा। वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस बार और अधिक व्यापक स्वरूप देते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। डॉ. बी.आर. अंबेडकर जागृति संस्था, मंडावर के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन को लेकर समाज में जबरदस्त उत्साह है। मंडावर समाज अध्यक्ष महेश चंद कारोलिया ने बताया कि, इस बार शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण फाइबर से निर्मित बाबा साहब की विशाल और आकर्षक प्रतिमा रहेगी, जिसका विधिवत उद्घाटन समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथी ललित बैरवा द्वारा किया जाएगा। 'जिसके कंधों पर इतिहास खड़ा है, वही भविष्य का रास्ता दिखाता है '–इसी भावना के साथ यह झांकी सामाजिक स्वाभिमान का प्रतीक बनेगी। दोपहर 2 बजे प्रतिभा कैंपस, भूड़ा मोड़ से प्रारंभ होने वाली यह शोभायात्रा बैंड-बाजों और आधा दर्जन डीजे की धुनों के बीच आगे बढ़ेगी, जिसमें युवा मोटरसाइकिलों पर 'जय भीम' की नीली पताकाएं लहराते हुए अग्रिम पंक्ति में रहेंगे। उनके पीछे मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र मीणा, विशिष्ट अतिथि ललित बैरवा और अध्यक्षता कर रहे रामचंद्र बैरवा व मंडावर समाज अध्यक्ष महेश कारोलिया सहित हजारों महिला-पुरुष व युवा कदम से कदम मिलाकर सामाजिक एकता का संदेश देंगे। 'हम चले तो कारवां बनता गया '–इस कहावत को चरितार्थ करती यह रैली प्रतिभा कैम्पस स्कूल से शुरू होकर नया बस स्टैंड,पुराना बस स्टैण्ड,मिस्त्री मार्केट,कपडा मार्केट,मुख्य चौराहे गाँधी चौक से होते हुए गढ़ रोड स्थित अंबेडकर खेल मैदान पहुंचेगी। पूरे मार्ग पर करीब दो दर्जन भव्य स्वागत द्वार सजाए जाएंगे, वहीं आधा दर्जन स्थानों पर जेसीबी मशीनों के माध्यम से पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का अभिनंदन किया जाएगा। विभिन्न संगठनों द्वारा जगह-जगह शीतल पेय और अल्पाहार की व्यवस्थाएं की जाएंगी, जिससे यह आयोजन केवल एक जयंती नहीं बल्कि सामाजिक समरसता का महोत्सव बन जाएगा। 'रंग वही चढ़ता है, जो दिल से उतरता नहीं '–और इस दिन मंडावर की फिजा पूरी तरह 'जय भीम' के नीले रंग में सराबोर नजर आएगी। शोभायात्रा के समापन के पश्चात अंबेडकर खेल मैदान में मंचीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां अतिथियों का सम्मान, उद्बोधन और सामाजिक परिचर्चा के माध्यम से संविधान, अधिकार और समानता के मूल्यों पर विचार विमर्श किया जाएगा। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा, जिसकी व्यवस्था उपप्रधानाचार्य ओमप्रकाश बैरवा द्वारा की जाएगी। मंडावर, महवा, बैजूपाड़ा, रैणी, लक्ष्मणगढ़, कठूमर और अलवर जिले के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में समाजबंधु इस आयोजन में भाग लेंगे, जिससे यह आयोजन क्षेत्रीय नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतीक बनकर उभरेगा। 'कलम ने जो लिखा, वो संविधान बना; और जिसने संविधान बनाया, वो आज भी हर दिल में जिंदा है '–इसी संदेश के साथ यह जयंती समारोह सामाजिक न्याय की अलख जगाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन कल तैयारियां जोरों पर

धनावता रोड स्थित अंबेडकर भवन में होगा कार्यक्रम का आयोजन

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी होंगे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में धनावता रोड पर स्थित अंबेडकर भवन में कल डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा द्य डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है द्य डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह को लेकर रविवार को कस्बे में जगह-जगह पीले चावल बांटकर लोगों को न्योता दिया गया द्य भाजपा पार्षद राजेंद्र देनवल ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती अंबेडकर भवन में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ प्रातः काल 10:00 बजे मनाई जाएगी द्य पार्षद ढेनवाल के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्युत विभाग के सहायक अभियंता मनफूल सिंह महरिया करेंगे द्य जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उदयपुरवाटी तहसीलदार जे .आर. कुड़ी, थाना प्रभारी रामपाल मीणा, प्रभारी ब्लॉक आयुष चिकित्सा उदयपुरवाटी डॉक्टर राकेश माहिच, उदयपुरवाटी नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी तौफिक अहमद होंगे ।

ऑपरेशन एंटी वेनम-2' का वार: महवा में स्मैक तस्करी पर शिकंजा, सब्जी मंडी से आरोपी दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'जहर बेचने वालों की चाल भले तेज हो, लेकिन कानून की पकड़ उससे भी ज्यादा मजबूत होती है '–इसी कहावत को सच साबित करते हुए महवा पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन एंटी वेनम-2' के तहत एक अहम कार्रवाई को अंजाम देते हुए स्मैक तस्करी के आरोपी को धर दबोचा है। देर रात दाउजी मंदिर के पास स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई ने इलाके में सक्रिय नशा कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है। सीओ महवा मनोहरलाल मीना के सुपरविजन और थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 11/12 अप्रैल 2026 की रात गश्त के दौरान मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए दीपक प्रजापत उर्फ बल्ली पुत्र रामनिवास (24) निवासी कुम्हार मोहल्ला, गणेश चौक महवा को अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 06.43 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना महवा में प्रकरण संख्या 167/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में मामला दर्ज कर लिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी के नेटवर्क और सप्लाई चैन को लेकर महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है। 'अपराध चाहे कितना भी परदे में क्यों न हो, एक दिन कानून की रोशनी उसे बेनकाब कर ही देती है '–इस कार्रवाई ने इसी सच्चाई को फिर से उजागर कर दिया है।

थाना महवा पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। आमजन से भी अपील की गई है कि यदि कहीं अवैध मादक पदार्थों की गतिविधि की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि ऑपरेशन एंटी वेनम-2' के तहत महवा पुलिस की यह कार्रवाई न केवल कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि समाज में फैलते नशे के जहर के खिलाफ एक सख्त संदेश भी है कि 'अब हर गली में पहरा है, और हर अपराधी कानून के घेरे में है।

मंडावर में पायलट-जूली के स्वागत में उमड़ा युवा जोश, 'जहां कदम पड़े, वहीं उमडा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

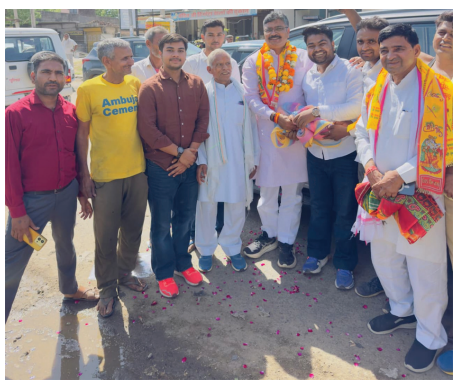

मनोज खंडेलवाल । अलवर-करौली हाईवे पर स्थित नया बस स्टैण्ड रविवार को उस वक्त सियासी ऊर्जा और ग्रामीण उत्साह का केंद्र बन गया, जब सचिन पायलट करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह कटकड़ के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल होने जाते समय मंडावर पहुंचे। निर्गुण महाराज की तपोभूमि माने जाने वाले इस शहर में स्थानीय कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने जिस आत्मीयता और गरिमा के साथ उनका स्वागत किया, उसने पूरे इलाके में राजनीतिक सरगर्मियों को नई धार दे दी। जैसे ही पायलट का काफिला नया बस स्टैण्ड पर रुका, वहां पहले से मौजूद युवा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं की वर्षा करते हुए साफा बांधकर उनका अभिनंदन किया। ग्रामीण अंचल की परंपराओं से सराबोर इस स्वागत ने साफ कर दिया कि जमीनी स्तर पर संगठन की पकड़ अब भी मजबूत है। पायलट ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए आभार जताया और कुछ क्षण रुककर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया, फिर अपने अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संदेश भी दिया कि 'जिसका जन से नाता गहरा, उसी का कल सवेरा ठहरा। ' इसी दौरान उसी क्षण टीकाराम जूली जो वर्तमान में राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में सक्रिय हैं, भी उसी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए उसी मार्ग से गुजर रहे थे। उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं का उत्साह फिर चरम पर पहुंच गया और पारंपरिक साफा पहनाकर, माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा के साथ उनका भी भव्य स्वागत किया गया। यह दृश्य मानो यह कह रहा था कि 'राजनीति की राह में वही आगे बढ़ता है, जिसके साथ जनमानस का भरोसा चलता है। ' इस मौके पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जीतू गुर्जर, मदन रावत, बी.आर. अलूदिया, महेश मंडावर, रामेश्वर हिंगोटा, दिगंबर सैनी, कुणाल शर्मा, भरतू बागड़ी, बिजेंद्र गुर्जर, उमेश मीणा, महेंद्र ऐदलपुर सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनकी सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन, प्रतिमा का होगा अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल 2026, मंगलवार को राजस्व ग्राम ढाणी निहालोठ तन् पचेरी कलां में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार एवं अध्यक्षता पिलानी विधायक पितराम सिंह काला करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, सिंघानिया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष (आईएएस रिटायर्ड) मनोज कुमार, बनेश्वरी आर्य, निदेशक रहीश यादव, इंजीनियर संदीप नेहरा तथा एलबीएस स्कूल के निदेशक सुरेश कुमार जांगिड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार (संपादक दैनिक भीम प्रज्ञा) होंगे। आयोजन के तहत प्रातः 11 बजे से लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, वहीं दोपहर 1 बजे प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। यह आयोजन समस्त ग्रामवासी ढाणी निहालोठ एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा अनावरण समिति द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

चंदेल नगर में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण, वक्ता बोले: डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए

भीम प्रज्ञा न्यूज.चूरू।

चंदेल नगर में भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान माहौल उत्साह और सामाजिक जागरूकता से भरा रहा।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दोलतराम पेशियां, मंगेज चौधरी, जिला प्रमुख वंदना आर्य, आसाराम सैनी, देईराम मेघवाल, नवरंग वर्मा, नरसी मीठडी, सोहनलाल, उप जिला प्रमुख एडवोकेट रामेश्वर लाल प्रजापत, मोहनलाल आर्य, भवानी सिंह राठौड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष, उनके विचारों और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वक्ताओं ने विशेष रूप से समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में समानता, जागरूकता और विकास संभव है। साथ ही युवाओं से आह्वान किया गया कि वे बाबा साहब के विचारों को अपनाकर समाज को नई दिशा देने का कार्य करें। समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, भाईचारे और शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। यह आयोजन क्षेत्र में सामाजिक चेतना और जागरूकता का एक महत्वपूर्ण संदेश देकर संपन्न हुआ।

फूले दम्पति को भारत रत्न दिया जाए–सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । महात्मा फूले की 199 वीं जयंती उपखंड क्षेत्र के बड़ा गाँव में धूमधाम से मनाई गई ।सेठ शिव दत्त राय शिक्षण संस्था बड़ा गांव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुये पूर्व तहसीलदार ने महात्मा फुले द्वारा किए गए महान कार्यों के लिए उन्हें भारत रत्न दिया जाने की माँग उठाई ।उन्होंने बाल विवाह रोकने विधवा मुण्डन रुकवाने सती प्रथा बंद करवाने के साथ ही अपने घर में बने कुए को अछूतों के लिए खोलने बाल हत्या प्रतिबंधक गृह खोलने शोषितों पीड़ितों को व नारी शक्ति को शिक्षा देने जैसे जन हित के कार्यों को याद किया गया ।मिल मजदूरों का संगठन बना कर साप्ताहिक अवकाश मंजूर करवाने सत्य शोधक समाज की स्थापना करने व किसानों के हित में काम करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने अज्ञान का कारावास तोड़ डाला जन्मजात विषमता का जाल तोड़ दिया निरर्थक अंधविश्वास को चुनौती देकर हिंदू धर्म में क्रांति कर दी, जोती राव व्यक्ति नहीं शक्ति थे। इस अवसर पर निदेशक महिपाल सिंह महला इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रिंसिपल सत्यवीर झाझड़िया डा ओपी सैनी मान सिंह रामनिवास सिंह प्रभु रैगर सुंदर मल पंवार प्रिंसिपल राधेश्याम तनानिया हवलदार समदर सैनी हनुमान सैनी सुभाष खैरवा सुरेंद्र सिंह दलीप सिंह कृष्ण जांगिड अशोक पारीक झूथा राम रामजी कटारिया अजय भालोठिया व संस्था स्टाफ सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे। निदेशक महिपाल सिंह ने आभार व्यक्त किया मंच संचालन स्त्यवीर झाझड़िया ने किया। फूले जयन्ती फूले संस्था बड़ा गांव सहित कस्बे के अनेक स्थानों पर मनाई गई।

स्कूटी सवार दो की दर्दनाक मौत, खाटूश्यामजी जाते समय हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर पलसाना बाईपास स्थित भदालाकीढाणी कट एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार महिला और पुरुष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब दोनों स्कूटी पर सवार होकर सीकर से खाटूश्यामजी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पलसाना बाईपास कट पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके से गुजर रहे सुनील कुमार जिंडवाड़िया ने घायलों को तुरंत निजी वाहन से पलसाना के राजकीय सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही रानोली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। दांतारामगढ़ डिप्टी कैलाश कंवर ने

फाइल फोटो-- मृतक महेंद्र सिंह

फाइल फोटो-- मृतक रितिका

भी मौके का निरीक्षण किया। मोबाइल नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान महेंद्र सिंह 49 निवासी डूंडलोद तथा रितिका 39 निवासी असुरागढ़ पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। दोनों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

परिवार में मचा कोहराम

महेंद्र सिंह के पिता बेरीसाल सिंह का वर्ष 2001 में निधन हो चुका है और उनके परिवार में दो बच्चे हैं बेटी मोनिका कंवर जो एमकॉम कर रही है तथा पुत्र सुनील सिंह जो बीबीए सेकंड सेमेस्टर का छात्र है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।रानोली पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है और घटनास्थल सहित आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

खतरनाक बना भदालाकीढाणी बाईपास कट

स्थानीय लोगों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग से पलसाना कस्बे में प्रवेश के लिए बनाया गया यह कट पहले भी कई हादसों का कारण बन चुका है और आज एक बार फिर यह कट दो जिंदगियों पर भारी पड़ गया। बताया जा रहा है कि महेंद्र सिंह नवलगढ़ में न्यू झलक नाम से होटल संचालित करते थे जहां रितिका कार्यरत थी और दोनों खाटूश्यामजी में नई होटल का एग्रीमेंट करने के लिए जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही हादसा हो गया।

हेल्थ आइकन अवार्ड से सम्मानित किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. जोशी का लक्ष्मणगढ़ में सामाजिक संस्थाओं ने किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा की ओर से दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में जानें-मानें चिकित्सक डॉ पशुपति जोशी के सुपुत्र किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ सौरभ जोशी को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए हेल्थ आइकन अवार्ड से सम्मानित होकर लक्ष्मनगढ आगमन पर अभिनंदन किया।

यह जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि डॉ. सौरभ जोशी के गृह नगर आगमन पर गौड़ ब्राह्मण भवन में रविवार को लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आयोजित समारोह में श्री विजय रघुनाथ जी के मंदिर के महंत दिलीप दास महाराज, ट्रस्ट के संरक्षक रामनिवास शर्मा, जनमंगल सेवा संस्थान के यादव शास्त्री व शारदा सदन पुस्तकालय के अध्यक्ष दिनेश मारोठ वाला के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. जोशी को माला पहनाकर ,शाल व साफा ओढ़ाकर एवं श्रीफल, रामचरित मानस की पुस्तक भेंट कर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी, प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी, प्रभारी राजेंद्र कुमार

शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रमेश छिंछासवाला, सुनील कुमार माली, लोकित दईया, रोहित दईया, रामपाल कुमावत, प्रदीप चोटिया, चंद्रशेखर जोशी, संजय जोशी, विष्णु कुमार जोशी, किशन रिणवा चंद्रशेखर मिश्र, प्रभु दयाल इंदौरिया, रामलीला समिति से अरविंद शर्मा, अवनीश मुद्गल, नामदेव समिति से राजाराम टेलर, संजय टेलर, गौरव जोशी, जयप्रकाश भंडारी, आसाराम टेलर सहित संस्थाओं के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे ।

सिंघाना और खेतड़ी क्षेत्र में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा: जहां कभी दौड़ती थी ट्रेन, अब बस गए मकान

1976 में चली मालगाड़ी, 1995 में सेवा बंद, 2004-05 में पटरी उखड़ी, अब प्लेटफॉर्म और ट्रैक पर भी अतिक्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । सिंघाना-कापर क्षेत्र में रेलवे की बेशकीमती जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जिस ट्रैक पर कभी मालगाड़ियां दौड़ा करती थीं, वहां अब लोगों ने पक्के मकान बनाकर स्थायी रूप से निवास करना शुरू कर दिया है। हालात यह हैं कि पुराने प्लेटफॉर्म और ट्रैक के दोनों ओर अतिक्रमण फैल चुका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस रेललाइन पर वर्ष 1976 में मालगाड़ी का संचालन शुरू हुआ था, लेकिन 1995 में इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद वर्ष 2004-05 में रेलवे द्वारा पटरियां भी उखाड़ दी गईं। रेल सेवा बंद होने के बाद धीरे-धीरे खाली पड़ी जमीन पर लोगों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया, जो अब बड़े स्तर पर फैल चुका है। रेलवे की इस जमीन पर जगह-जगह मकान, बाड़े और अन्य निर्माण दिखाई दे रहे हैं। कुछ स्थानों पर तो पुराने रेलवे प्लेटफॉर्म और संरचनाओं के अवशेषों पर भी कब्जा कर लिया गया है। स्थानीय प्रशासन और रेलवे विभाग की ओर से अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इस लाइन का उपयोग कभी खाद-कारखाने और औद्योगिक सामग्री के परिवहन के लिए किया जाता था। डाबला क्षेत्र में ब्रॉडगेज कार्य के चलते यह लाइन बंद हो गई और धीरे-धीरे पूरी तरह खत्म हो गई।

प्रशासन पर सवाल

रेलवे की करोड़ों की संपत्ति पर हो रहे इस कब्जे को लेकर प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में इस जमीन को खाली कराना और भी मुश्किल हो जाएगा।

सर्वे की जरूरत

जहां कभी रेल की आवाज गूंजती थी, आज वहां अवैध बस्तियां बस चुकी हैं। जरूरत है कि संबंधित विभाग जल्द सर्वे कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे, ताकि सरकारी संपत्ति को सुरक्षित रखा जा सके। और रेलवे की ओर से सर्वे करवाकर इसका स्थाई समाधान करवाया जाए।

त्योंदा में रेलवे स्टेशन के नाम का लगा बोर्ड व वीरान पड़ी भूमि

सिंघाना क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए बनाए गए पुल नाम का लगा बोर्ड व वीरान पड़ी भूमि

डाबला से सूरजगढ़ तक सैकड़ों गांव रेलवे से जुड़ सकते हैं

डाबला से सिंघाना होते हुए रेल की लाइनों को सूरजगढ़ या चिड़ावा से जोड़ा जा सकता है जिससे खेतड़ी में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड को व पर्यटन के क्षेत्र में लाभ मिलेगा ही साथ ही बीच में पडने वाले सैकड़ों गांवों को भी फायदा मिलेगा। जबकि सिंघाना तक रेलवे की बेसकिमती जमीन भी पड़ी हुई है। केसीसी ने रेलवे लाइन के लिए किसानों की जब जमीन ली थी तो उनको मुआवजा भी दिया था वह नौकरी भी दी गई थी। कई गांवों में स्टेशन बनाने के लिए जमीन भी पड़ी हुई है।

खेतड़ी के गांवों में सुनाई देती थी ट्रेन की आवाज

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने अपने खेतड़ीनगर में स्थापित केसीसी प्रोजेक्ट के सामान की ढुलाई के लिए डाबला से लेकर सिंघाना तक 30 किलोमीटर की रेलवे लाइन बिछाई गई थी। मालगाड़ी के साथ-साथ सवारी गाड़ी कभी डिब्बा जुड़ा हुआ होता था । रास्ते में पडने वाले बड़े गांवों में स्टेशन भी बनाए गए थे जो आज भी कई जगह पत्थर पर स्टेशनों के नाम लिखे हुए हैं लेकिन 2004-05 आते आते बिछाई गई रेल की पटरियों को हटा लिया गया और लोगों को जो सवारी गाड़ी आने की आस थी वह धूमिल हो गई। जब डाबला स्टेशन की पटरिया ब्रॉडगेज में परिवर्तित हो गई तब डाबला से सिंघाना तक भी ब्रॉड गेज में परिवर्तित करना था लेकिन पटरियों को ब्रॉडगेज में परिवर्तित नहीं किया और मीटर गेज में रहने से यह पटरिया कोई काम की नहीं रही। वही सिंघाना में बनाया गया रेलवे स्टेशन आज वीरान भूमि के रूप में पड़ा हुआ है।

झुंझुनूं सांसद ने भी उठाई मांग

सांसद ब्रिजेन्द्र ओला ने लोकसभा में नियम 377 के तहत मांग रखते हुए कहा था कि डाबला में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, लेकिन झुंझुनूं जिले के खेतड़ी, सिंघाना, चिड़ावा, झुंझुनूं जैसे औद्योगिक एवं व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कस्बे इस कॉरिडोर से सीधे रेल मार्ग से नहीं जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में डाबला से खेतड़ी, सिंघाना तक हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की मीटर गेज रेलवे लाइन संचालित थी, जो अब बंद हो चुकी है। यह पूरी भूमि पहले से ही रेलवे की है, जिससे भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता न्यूनतम होगी और प्रस्तावित ट्रैक की कुल लंबाई लगभग 70 किलोमीटर की होगी। सांसद ने कहा कि खेतड़ी में स्थित हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड देश के नौ मिनी नवरत्न उपक्रमों में से एक है। यदि इन क्षेत्रों को नई रेल लाइन के माध्यम से DFC से जोड़ा जाता है, तो इससे न केवल उद्योगों को सस्ता, सुलभ और तेज परिवहन मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास, व्यापारिक गतिविधियों और रेलवे के मालभाड़ा राजस्व में भी वृद्धि होगी।

डॉ. शानू यादव ने नीमराणा में जोरदार स्वागत के बाद कहा - पार्टी की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाऊंगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराणा।

रमेशचंद । भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद डॉ. शानू यादव पहली बार नीमराणा पहुंचीं। उनके स्वागत के लिए शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। जैसे ही डॉ. शानू यादव का काफिला टोल प्लाजा पर पहुंचा, कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारेबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते- गाते कार्यकर्ताओं ने अपने नेता के प्रति समर्थन और खुशी का इजहार किया। इस दौरान कई स्थानीय पदाधिकारी और वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद रहे, जिन्होंने डॉ. शानू यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी और उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत बनाने का भरोसा जताया। मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. शानू यादव ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि संगठन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वह सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़ेंगी। डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से उनका स्वागत किया गया है, वह उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगी और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएंगी। आगामी चुनावों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि पार्टी उन्हें मौका देती है, तो वह निश्चित रूप से चुनाव मैदान में उतरेंगी और पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना और क्षेत्र के विकास के लिए काम करना है।

संघ के 100 वर्ष राष्ट्र सेवा व सामाजिक जागरण को समर्पित

पंच परिवर्तन का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

कस्बे के सरस्वती मैरिज गार्डन में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख महावीर प्रसाद व विभाग संघचालक ग्यारसीलाल ने मां भारती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्र प्रचार प्रमुख महावीर प्रसाद ने अपने उद्बोधन में भारत की प्राचीन सभ्यता, वर्ण व्यवस्था की मूल भावना और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिस्थितियों में हमारी भूमिका में हमारे प्रयास की बात की। संघ की 100 वर्ष की यात्रा में सहभागिता के सफर में प्रारंभ में घृणा, उपेक्षा का वातावरण झेला साधना को कम नहीं होने दिया। पांच परिवर्तन से समाज का परिवर्तन कर सकते हैं। राष्ट्रीय एकता, हिंदुत्व की जीवन पद्धति, महापुरुषों ग्रंथों में आस्था का भाव पैदा करना, हिंदू जनसंख्या विषमता बड़ा खतरा है कालांतर में समाप्त विलुप्त होने का खतरा। संयुक्त परिवार सिर्फ उदाहरण बच्चे हैं, सामाजिक सद्भाव, हिंदुत्व का भाव समाज को विभाजन से बचाकर एकता की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है। पांच परिवर्तन को अपनाकर हिंदू राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाने की बात की, स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, भोजन की बर्बादी रोकना, जैविक खेती,

समाज के वंचित वर्गों को जोड़ने की बात कही। संविधान सबसे बड़ा ग्रंथ है उसका आदर करना चाहिए अधिकार की बात के साथ कर्तव्य का पालन भी करें। नागरिक कर्तव्यों के पालन के प्रति सजग रहें। स्व के जागरण के लिए स्वभाषा, स्व बोली, वेशभूषा को नहीं भूलें। स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और स्वावलंबन पर जोर दें। नागरिक शिष्टाचार का घर से ही पालन करें। परिवारों में संस्कार, परंपरा और नियमित पारिवारिक मंगल संवाद आवश्यक हैं। सप्ताह में एक दिन अपने त्यौहार परंपरा का संकल्प लें। भाषा, भूसा, भवन, भजन, भोजन से स्वदेशी जीवन शैली प्रारंभ करेंगे। राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध का संदेश दिया। उन्होंने पंच परिवर्तन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया-राष्ट्र प्रथम की भावना, हिंदू समाज की एकता, स्वदेशी का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण (सिंगल यूज़ प्लास्टिक का त्याग), नागरिक कर्तव्यों का पालन तथा सामाजिक समरसता को व्यवहार में उतारना। अंत में संघचालक जटाशंकर व्यास ने आभार प्रकट किया अंत में राष्ट्रगान जन गण मन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चिकित्सा, शिक्षा, जैविक कृषि, आयुर्वेद, सेवा, गौ सेवा व सूचना प्रौद्योगिकी को समर्पित श्रीमाधोपुर, अजीतगढ़, रींगस के सैकड़ो प्रमुख जन मौजूद रहे।

मंत्रालयिक कर्मचारी समिति चुनाव, राजेश बजाड़ बने झुंझुनूं जिलाध्यक्ष, अंबेडकर भवन मंडावा में हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंत्रालयिक कर्मचारी जिला समन्वय समिति के सम्पन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़ ने जीत हासिल की। मंत्रालयिक कर्मचारी जिला समन्वय समिति के सम्पन्न हुए चुनाव में विजय हासिल करने के बाद अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़ का मंडावा में अंबेडकर भवन परिसर में सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। अंबेडकर पार्क में आयोजित

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने उन्हें माल्यार्पण कर साफा पहनाया और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजेश बजाड़ द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें यह पद बाबा साहब द्वारा दिए गए वोट के अधिकार की बदौलत मिला है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और सर्वसमाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के मत और समर्थन से ही वे विजयी हुए हैं। आगे भी वे कर्मचारियों और समाज के हित में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुकेश झाझडिया, दिनेश काला, एडवोकेट परमेश्वर मिथवास, एडवोकेट महेन्द्र नेमीवाल, जगदीश महरिया, अजय वर्मा नुआ कांग्रेस कमेटी एस सी प्रकोष्ठ जिला मीडिया प्रभारी झुंझुनूं , विकास वर्मा एलडीसी जितेन्द्र सानेल,अमित मीणा, सुबोध महरिया, सुदर्शन महरिया, प्रवीण खोवाल,अशोक खटनावलिया, चंद्रभान आर्य, विजय काला (पिंटू) पटवारी, विजेंद्र नागर, राजेंद्र आर्य, ओमप्रकाश भूकल कुहारु,अमरचंद कावलिया, जयप्रकाश काला, विकाश आलडिया, अरविन्द आलडिया, परमेश्वर सुनिया मिठवास,अजय वर्मा नुआ सहित लोग उपस्थित थे।

बलवीर सिंह नेहरा बने झुंझार सिंह संस्थान के सचिव, बोले- संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के प्रतिष्ठित सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान झुंझार सिंह संस्थान में सोमवार को आयोजित कार्यकारिणी बैठक में एक अहम निर्णय लेते हुए प्रख्यात समाजसेवी एवं शिक्षाविद बलवीर सिंह नेहरा को सर्वसम्मति से संस्थान का नया सचिव नियुक्त किया गया। यह पद सुरेश कुमार जाखड़ के अध्यक्ष बनने के बाद रिक्त हो गया था। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुरेश कुमार जाखड़ ने की। इस दौरान कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने एकमत से कहा कि बलवीर सिंह नेहरा इस पद के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं, क्योंकि वे संस्थान की स्थापना से ही इससे जुड़े हुए हैं और लगातार तन-मन-धन से इसकी सेवा करते आ रहे हैं।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बलवीर सिंह नेहरा लंबे समय से राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न सामाजिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाजसेवा कर रहे हैं। उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

संस्थान को बनाएंगे मॉडल– बलवीर सिंह नेहरा - अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बलवीर सिंह नेहरा ने कहा कि वे पूरी टीम को साथ लेकर संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति टीम वर्क से ही संभव है और उनका लक्ष्य झुंझार सिंह संस्थान को झुंझुनूं क्षेत्र में एक आदर्श (मॉडल) संस्थान के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि हाल ही में संस्थान में एक अति-आधुनिक (हाईटेक) लाइब्रेरी की स्थापना की गई है, जो जिले की अपनी तरह की पहली लाइब्रेरी है। इस लाइब्रेरी में केवल युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। यह सुविधा 'नो प्रॉफिट–नो लॉस' के आधार पर संचालित की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक छात्राएं लाभान्वित हो सकें।

नेहरा पहाड़ को पर्यटन स्थल बनाने का प्रयास - बलवीर सिंह नेहरा ने यह भी कहा कि झुंझुनूं स्थित नेहरा पहाड़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए संस्थान एक बार फिर प्रयास करेगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और सरकार व समाज का सहयोग लिया जाएगा।

बैठक में रहे अनेक गणमान्य उपस्थित - इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष सुरेश कुमार जाखड़, कोषाध्यक्ष महेंद्र चौधरी, भूमि विकास बैंक झुंझुनूं के चेयरमैन शीशराम नेहरा, दलीप सिंह नेहरा (चनाना), सैनिक एकेडमी के निदेशक मुकेश एस. मूंड, पार्षद प्रेम कस्वां, रामनिवास कोलसिया, विजय सिंह जालमपुरिया, प्रवक्ता झुंझार सिंह संस्थान, रामनरेश कुलहरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

अंबेडकर व समाज सुधारक महापुरुषों की जीवनी पर आधारित प्रतियोगिता परीक्षा संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर आदर्श समाज संस्थान (ब्रास) ,चिड़ावा के तत्वाधान में शहर की विवेकानंद पब्लिक स्कूल में रविवार को अंबेडकर व समाज सुधारक महापुरुषों की जीवनी पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रतियोगिता का हुआ आयोजन । संस्थान के सदस्य सुनील मेहरा ने बताया कि इस परीक्षा में कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनकी कुल संख्या 83 रही । इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर आगामी 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर पुरस्कार प्रदान किया

जाएगा। इस दौरान स्कूल स्टाफ ललिता, सुनील सैनी, घनश्याम, राजेश्वरी, संस्थान के कोषाध्यक्ष महेश महारानियां, राहुल भगत, कुलदीप भगत, एड. उम्मेद बरवड़, विजेंद्र बाडेटिया, संजय बाडेटिया, मुकेश इस्माइलपुर, नरेंद्र चंदेलिया आदि उपस्थित रहें।

नीतिका थालौर के संयोजन में गूंजा संगीतमय सुंदरकांड, महिलाओं ने भक्ति रस में डूबकर किया नृत्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

धार्मिक और सामाजिक सरोकारों में अग्रणी युवा जनशक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं राजस्थान शिक्षण संस्थान की चेयरपर्सन नीतिका थालौर के संयोजन में रविवार को एक विशाल एवं भव्य संगीतमय हिंदी सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। राजस्थान शिक्षण संस्थान के खेल मैदान में आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा परिसर 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम की मुख्य सूत्रधार नीतिका थालौर के नेतृत्व में आयोजित इस पाठ में चिड़ावा शहर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में महिलाओं ने शिरकत की। संगीतमय धुन पर जब हिंदी सुंदरकांड की चौपाइयां गूंजी, तो उपस्थित भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। भक्ति का उत्साह ऐसा था कि महिलाएं स्वयं को रोक नहीं पाईं और भजनों की सुमधुर लहरों पर

भावविभोर होकर मनभावन नृत्य किया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस वृहद आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्र के प्रबुद्ध महिला मंडल का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयोजिका सुधा सिधड़ के साथ सोना चेतीवाल, आईना सैनी, रेखा पांडे, अविका अडूकिया, अस्मिता गुप्ता, पूनम पुजारी, सुनीत शाह, बबीता गुप्ता, शिल्पा गुप्ता, रितु गुप्ता, मंजू वर्मा, सुधा शर्मा, विजयलक्ष्मी, अनिता जांगिड़, अंजू जांगिड़, ललिता जांगिड़, पिंकी जांगिड़, लक्ष्मी पवार, महिंद्रा, पूनम, उषा, वंदना, सुमन सोनी,डॉक्टर कुसुम लता, पूजा शर्मा, सुशीला कुमावत, माया शर्मा, किरण चौधरी, रेखा चौधरी, सपना सोनी व पूजा सहित समस्त महिला मंडल ने सामूहिक रूप से पाठ संपन्न करवाया।

नीतिका थालौर के विजन को धरातल पर उतारने और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में युवा जनशक्ति फाउंडेशन की महिला टीम ने कड़ी मेहनत की। टीम सदस्य सुनीता चौधरी, डॉ. आबिदा खान, अंजना चौधरी, अंजना सोमरा, दीपा, कुंदन कटेवा, पवन कटेवा, कविता पूनिया, सुनिता जांगिड़, माया जांगिड़ और ज्योति थालौर ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया। कार्यक्रम के अंत में नीतिका थालौर ने सभी आगंतुक भक्तों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संचार होता है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

नगर पालिका ने डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए शुरू की विशेष व्यवस्था

एसडीएम और ईओ की देखरेख में वार्डों में भेजी गई गाड़ियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने कमर कस ली है। चिड़ावा एसडीएम और नगर पालिका अधिशासी अधिकारी की सीधी देखरेख में शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को नए सिरे से शुरू किया गया है। पिछले कुछ दिनों से बाधित चल रही सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर पालिका द्वारा पांच ट्रैक्टर, दो टिप्पर और एक पिकअप मशीन को सफाई कार्य में लगाया गया है। पिछले दो दिनों से वार्ड संख्या 1 से लेकर 40 तक सघन कचरा संग्रहण अभियान चलाया जा रहा है। पालिका प्रतिनिधि संदीप लंबा ने

बताया कि पिछले दिनों तकनीकी कारणों से कचरा संग्रहण की व्यवस्था खराब हो गई थी, जिसे अब प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जा रहा है। व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए वार्ड टू वार्ड गाड़ियां भेजी जा रही हैं ताकि आमजन को परेशानी न हो। नगर पालिका प्रशासन ने दावा किया है कि जल्द ही शहर की सफाई समस्या का पूर्ण समाधान कर लिया जाएगा और नियमित रूप से गाड़ियां हर घर तक पहुंचेंगी। इस दौरान कर्मचारियों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि शहर के किसी भी कोने में कचरे के ढेर न लगें और सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर की संवेदनशील सोच से नशा मुक्ति अभियान बना जनआंदोलन

मां सरस्वती एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट फतेहाबाद ने दिया अनुकरणीय योगदान,

नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार हेतु रू21,000 की दवाइयाँ भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस की दूरदर्शी एवं संवेदनशील सोच के परिणामस्वरूप फतेहाबाद जिला नशा मुक्त समाज की ओर मजबूती से अग्रसर है। एक ओर जहां फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए अनेक नशा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा चुका है, वहीं दूसरी ओर 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' अभियान के तहत नशा ग्रस्त युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का मानवीय कार्य निरंतर किया जा रहा है। नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार नशे की लत में फंसे युवाओं से संपर्क स्थापित कर उनका

मनोबल बढ़ाया जा रहा है, उन्हें उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक अनेक युवाओं को नशे की गिरफ्त से मुक्त कर उन्हें सम्मानजनक और सामाजिक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया गया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर की इसी प्रेरणादायी सोच से समाज के जिम्मेदार एवं समाजसेवी संगठन भी इस मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। इसी कड़ी में मां सरस्वती एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट फतेहाबाद ने एक सराहनीय पहल करते हुए नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मां सरस्वती एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान राहुल गोयल तथा मुख्य सचिव डॉक्टर उमेश ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा करीब ?21,000 मूल्य की दवाइयाँ भेंट की गई हैं। इन दवाइयों का उपयोग नशा पीड़ित युवाओं के उपचार एवं पुनर्वास में किया जाएगा, जिससे वे शीघ्र स्वस्थ होकर समाज की मुख्यधारा में लौट सकें।

इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम के सदस्य व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। पुलिस अधीक्षक की ओर से ट्रस्ट के इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा समाज की अन्य संस्थाओं एवं नागरिकों से भी अपील की गई कि वे आगे आकर इस नशा मुक्ति अभियान में अपना योगदान दें, ताकि फतेहाबाद को पूर्ण रूप से नशा मुक्त बनाया जा सकें।

मंत्रालयिक कर्मचारी समिति चुनाव: राजेश बजाड़ बने झुंझुनूं जिलाध्यक्ष, अंबेडकर भवन मंडावा में हुआ भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

मंडावा में मंत्रालयिक कर्मचारी जिला समन्वय समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने के बाद अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़ का सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। अंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने उन्हें माल्यार्पण कर साफा पहनाया और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजेश बजाड़ द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें यह पद बाबा साहब द्वारा दिए गए वोट के अधिकार की बदौलत मिला है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और सर्वसमाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के मत और समर्थन से ही वे विजयी हुए हैं। आगे भी वे कर्मचारियों और समाज के हित में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुकेश झाझड़िया, दिनेश काला, (एडवोकेट) परमेश्वर मिथवास, एडवोकेट महेन्द्र नेमीवाल, जगदीश महरिया, अजय वर्मा नुआ (कांग्रेस कमेटी ह्यूमन प्रकोष्ठ जिला मीडिया प्रभारी झुंझुनूं), विकास वर्मा (LDC), जितेन्द्र सानेल, अमित मीणा, सुबोध महरिया, सुदर्शन महरिया, प्रवीण खोवाल, अशोक खटनावलिया, चंद्रभान आर्य, विजय (पिंटू) पटवारी, विजेंद्र नागर, राजेंद्र आर्य, ओमप्रकाश भूकल कुहारू, अमरचंद कावलिया, जयप्रकाश काला, विकाश आलडिया, अरविन्द आलडिया इत्यादि।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता व काउंसलिंग: फतेहाबाद व टोहाना में पीड़ितों से मुलाकात, उपचार के लिए किया प्रेरित

अस्पतालों व मोहल्लों में पहुंचकर पीड़ितों का हाल-चाल जाना, काउंसलिंग व दवा उपलब्ध कराई

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार जागरूकता, काउंसलिंग व उपचार की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर नशा पीड़ितों से संपर्क स्थापित कर उन्हें नशे की लत से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में दाखिल नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना तथा उनकी सामूहिक काउंसलिंग की। टीम द्वारा पीड़ितों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें नियमित

उपचार लेने व नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त आजाद नगर फतेहाबाद में उपचाराधीन पीड़ितों का फीडबैक लिया गया, जहां मौके पर उपस्थित 5 पीड़ितों को दोबारा काउंसलिंग के साथ आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। उल्लेखनीय है कि टीम प्रभारी के अतिरिक्त अन्य सदस्य कानून-व्यवस्था ड्यूटी के चलते भट्ठू में तैनात रहे। इसी प्रकार नशा मुक्ति अभियान के तहत टोहाना मंडल में भी जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने टोहाना शहर के किला मोहल्ला व राज नगर क्षेत्र में नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। टीम द्वारा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल टोहाना में नियमित उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। टीम के प्रयासों से कुछ नशा पीड़ित पहले ही उपचार ले रहे हैं, जबकि अन्य पीड़ितों ने भी आगामी दिनों में अस्पताल पहुंचकर अपना उपचार शुरू करवाने का आश्वासन दिया। नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को नशे की लत से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ व सुरक्षित जीवन की ओर अग्रसर किया जा सके।

युवा पीढ़ी भगवान परशुराम जी के आदर्श अपनाकर राष्ट्र निर्माण में निभाए भूमिका: सुभाष बराला

युवा पीढ़ी भगवान परशुराम जी के आदर्श अपनाकर राष्ट्र निर्माण में निभाए भूमिका: सुभाष बराला

टोहाना में भगवान परशुराम प्रकट उत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । भगवान परशुराम सेवा समिति चैरिटेबल ब्राह्मण सभा टोहाना के तत्वाधान में भगवान श्री परशुराम प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में शहर में भव्य, विशाल एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा टोहाना शहर भक्ति, आस्था और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया। श्रद्धालुओं का जनसैलाब शोभायात्रा में उमड़ पड़ा और हर ओर 'जय श्री परशुराम' के जयघोष गूंजते रहे। शोभायात्रा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन चौक से हुआ, जो शास्त्री बाजार, घंटाघर चौक, लक्कड़ मार्केट और शूरसेन चौक से होते हुए भगवान परशुराम मंदिर तक पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक व धार्मिक संगठनों तथा व्यापारियों द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह पुष्प वर्षा, जलपान और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि भगवान परशुराम

का जीवन सत्य, धर्म और न्याय की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने समाज को अन्याय और अधर्म के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। आज के समय में उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज में समरसता और नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। सांसद बराला ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही हमारी असली पहचान हैं और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रयासरत है।उन्होंने कहा कि टोहाना की यह भव्य शोभायात्रा सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देती है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सभी वर्गों को एक मंच पर आने का अवसर मिलता है।शोभायात्रा में प्रसिद्ध हरियाणवी गायक मासूम शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान सभा के संरक्षक विक्रम प्रभाकर, प्रधान ललित मोहन शर्मा, रमन मड़िया, परमवीर अत्री, सुरेश कौशिक, सुरेन्द्र शर्मा, जयनारायण, संदीप शर्मा, सुभाष शर्मा, सोहन लाल, सतीश शर्मा, अमन शर्मा सहित सभा के अनेक पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फतेहाबाद के रतिया में स्नैचिंग के दो मामलों का खुलासा : तीन आरोपी काबू, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिलें बरामद

स्नैचिंग करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा : डीएसपी संजय कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । रतिया क्षेत्र में हुई स्नैचिंग की घटनाओं का खुलासा करते हुए सीआईए फतेहाबाद व सीआईए रतिया की टीमों ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की तत्परता, तकनीकी जांच एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिलों सहित काबू किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी देते हुए डीएसपी श्री संजय कुमार ने बताया कि थाना शहर रतिया में दर्ज स्नैचिंग के मामले में सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल के नेतृत्व में टीम ने आरोपी यौधा सिंह उर्फ दीपु पुत्र कुलदीप सिंह निवासी ब्राह्मणवाला रतिया तथा संदीप सिंह उर्फ सिप्पी पुत्र राजा सिंह निवासी ब्राह्मणवाला रतिया को काबू किया है। शिकायतकर्ता नवीन कुमार पुत्र रामनिवास निवासी वार्ड नं. 7 रतिया ने शिकायत दी थी कि दिनांक 03 अप्रैल 2026 को मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसका बैग छीन लिया था, जिसमें करीब रू25,000 नकद व बही-खाता था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को काबू कर उनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा छीने गए में से रू16,000 नगद बरामद कर लिए हैं, जबकि अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

अलग-अलग मामलों में छीना गया बैग, रू16,000 नगदी (बरामद) व सोने का कड़ा बरामदगी हेतु आरोपी पुलिस रिमांड पर

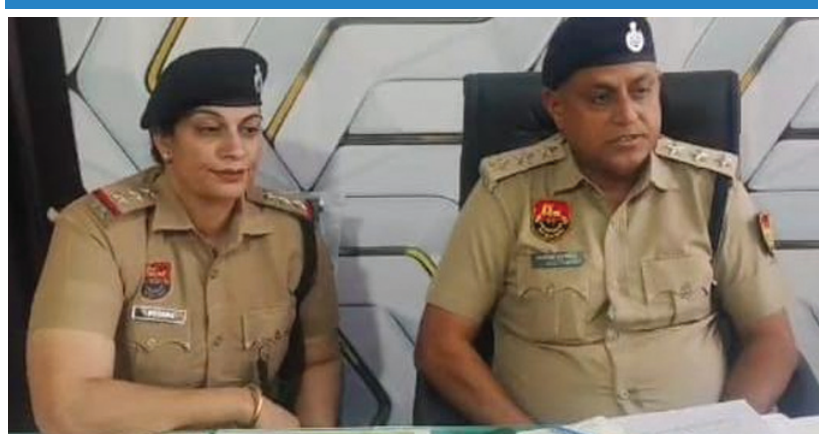

उन्होंने बताया कि थाना सदर रतिया में दर्ज एक अन्य स्नैचिंग के मामले में सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने आरोपी मनजीत सिंह उर्फ मन्नु पुत्र सर्वजीत सिंह निवासी मलवाला को काबू किया है। शिकायतकर्ता मलकित सिंह पुत्र नछत्तर सिंह निवासी मलवाला ने शिकायत दी थी कि दिनांक 09 अप्रैल 2026 को उसके पिता के हाथ से एक युवक सोने का कड़ा छीनकर फरार हो गया था। आरोपी से पूछताछ जारी है तथा उसके कब्जे से छीना गया सोने का कड़ा व वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद करने की कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में थाना शहर रतिया में अभियोग संख्या 82 दिनांक 03-04-2026 धारा 304(1) BNS तथा थाना सदर रतिया में अभियोग संख्या 73 दिनांक 09-04-2026 धारा 304(2) BNS के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। सभी आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जिनसे शेष बरामदगी व पूछताछ जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डीएसपी श्री संजय कुमार ने स्पष्ट कहा कि स्नैचिंग, चोरी व अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और ऐसे आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैंदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

गिल और बटलर के अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

लखनऊ (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया।

गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है। प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मिचेल मार्श (चार गेंद में 11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा का स्वागत लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी गेंदबाज ने धीमी गेंद पर उन्हें चकमा देकर गिल के हाथों कैच करा दिया। मारक्रम ने इस ओवर का अंत चौके से किया, जिससे टीम ने 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से सिराज ने 11 गेंद की पारी में एक छक्का और एक चौका लगाने वाले पंत को आउट कर सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। मारक्रम ने अशोक की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर छठे ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया।

आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंगबो । भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है। आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा। आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है। इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रह।। इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने है। इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है। उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है। साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, 'मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है। वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं। वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं। मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है।' साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं। उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा, 'सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है। इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।'

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता: चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडे- 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडे: 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीज: 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर । स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं। बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है। इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

वैभव सूर्यवंशी:इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

-14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो । श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं। 14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

लारा दत्ता को याद आए पुराने दिन, बताया 'अंदाज' के सेट पर कैसा था अक्षय कुमार का व्यवहार?

लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा दोनों ने ही फिल्म 'अंदाज' से अपना डेब्यू फिल्म इंडस्ट्री में किया था। हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में लारा ने अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। साथ ही प्रियंका और अपने शूटिंग के वक्त से जुड़ी कुछ यादें भी ताजा कीं।

पहले ही जीत चुकी थीं ब्यूटी पेजेंट: फिल्मों में आने से पहले लारा मॉडल हुआ करती थीं। उन्होंने 1997 में मिस इंटरकॉन्टिनेंटल और साल 2000 में मिस यूनिवर्स जैसे ब्यूटी पेजेंट जीते थे। इसी तरह प्रियंका चोपड़ा भी मिस वर्ल्ड 2000 ब्यूटी पेजेंट जीत चुकी थीं। इसके बाद दोनों को डायरेक्टर राज कंवर और प्रोड्यूसर सुनील दर्शन ने फिल्म 'अंदाज' के लिए अप्रोच किया, जिसमें उनके अपोजिट अक्षय कुमार थे। अब लारा ने बताया कि पहली फिल्म के वक्त उनका और प्रियंका का हाल कैसा था?

अक्षय ने हमेशा हमें गाइड किया: अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं और प्रियंका दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री में नए थे। वहीं अक्षय एक सफल एक्टर थे। जब हम दोनों उनके पास पहुंचे, तो उन्होंने हमें देखा। वो समझ गए कि दो लड़कियां अपनी आंखों में सपने लिए आ रही हैं, जिन्हें फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कुछ भी नहीं पता। इसके बाद अक्षय ने हम दोनों को काफी गाइड किया। उन्होंने कभी हमारा फायदा उठाने के बारे में नहीं सोचा।'

'अंदाज' को मिला था दर्शकों का प्यार: साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म 'अंदाज' को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन राज कंवर ने किया, वहीं फिल्म के निर्माता सुनील दर्शन थे। नदीम-श्रवण ने इसका म्यूजिक कंपोज किया था, जो उस दौर में काफी हिट हुआ था। हाल ही में इस फिल्म की स्प्रिचुअल सीक्वल 'अंदाज 2' बनी थी, जो बीते साल 8 अगस्त को रिलीज हुई थी।

अनिल कपूर की सीरीज '24' के नए सीजन की घोषणा, सामने आई तारीख

ओटीटी पर हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' रिलीज हुई। अब वह सीरीज '24' का नया सीजन भी लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में वह एक जासूस की भूमिका में होंगे। अनिल कपूर ने इस सीरीज से जुड़ी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है।

इस दिन रिलीज होगी सीरीज? : अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, 'स्पाई थ्रिलर का यूनिवर्स पलटने वाला है। आ रहा है, एक्शन शो '24'। यह सीरीज 24 अप्रेल को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में पहले भी अनिल कपूर नजर आ चुके हैं। अब '24' का नया सीजन दर्शकों को देखने को मिलेगा।

क्या है सीरीज '24' की कहानी? : अनिल कपूर की सीरीज '24' अमेरिकी जासूसी थ्रिलर का इंडियन वर्जन है। इसमें अनिल कपूर एंटी टेररिस्ट यूनिट के ऑफिसर के रोल में नजर आते हैं। इस सीरीज के दो सीजन दर्शक देख चुके हैं। सीरीज में अनिल कपूर ने जमकर एक्शन भी किया था। इस बार भी उनका यही अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा।

इन फिल्मों में भी दिखेंगे अनिल कपूर: अनिल कपूर '24' सीरीज के अलावा कई फिल्मों का भी हिस्सा हैं। वह शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' और आलिया भट्ट की 'अल्फा' में भी नजर आएंगे। एक फिल्म 'ड्रैगन' भी वह कर रहे हैं। फिल्मों के अलावा अपनी फिटनेस को लेकर भी अनिल कपूर ट्रेंड में रहते हैं। अपना फिटनेस सीक्रेट, रूटीन फैंस के साथ अक्सर शेयर करते हैं।

बड़े पर्दे पर होगी 'जाट 2' की दस्तक! सनी देओल ने पोस्ट करके बढ़ाई उत्सुकता, लिखा- 'अब कमर कसने का वक्त'

सनी देओल साल 2025 में फिल्म 'जाट' में जबरदस्त एक्शन करते दिखे थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था। एक पोस्ट साझा करते हुए सनी देओल ने फिल्म 'जाट' के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया। फैंस से मिले प्यार के लिए शुक्रिया कहा। साथ ही फिल्म 'जाट 2' को लेकर भी बड़ा हिंट दिया।

दर्शकों और फिल्म 'जाट' की टीम को कहा, शुक्रिया : सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'जाट' के कुछ सीन्स शेयर किए। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'फिल्म 'जाट' को एक साल हो गया है। यह क्या जबरदस्त सफर रहा। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हमने जो पागलपन, एक्शन और बेहिसाब मजा किया, उसे आज भी याद करके दिल खुश हो जाता है। सेट हर दिन जोश, जुनून से भरा होता था। सच में यह मेरे सबसे यादगार सफर था। डायरेक्टर गोपीचंद को उनके विजन के लिए एक बड़ा शाउटआउट। रणदीप हुड्डा और विनीत को शुभकामनाएं। आप लोगों के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक सुखद अनुभव था।'

'जाट 2' पर सनी देओल ने क्या लिखा? : आगे पोस्ट में फिल्म 'जाट 2' को लेकर सनी देओल ने लिखा, 'और शायद अब फिर से कमर कसने का समय आ गया है। 'जाट 2' के बारे में कुछ अच्छी खबरें जल्द ही आने वाली हैं।' इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सनी देओल 'जाट 2' में नजर आएंगे।

'जाट' ने बॉक्स ऑफिस पर की थी कितनी कमाई?: सनी देओल की फिल्म 'जाट' की कमाई की बात करें तो इसने वर्ल्डवाइड 118.85 करोड़ रुपए कमाए थे। वहीं भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी लगभग 88.72 करोड़ रुपए का कुल कलेक्शन किया था। इस साल सनी देओल फिल्म 'बॉर्डर 2' में भी नजर आए, इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई की थी।

अनुराग कश्यप ने की रणवीर सिंह के जज्बे की तारीफ, तो दीपिका पादुकोण ने दिया ऐसा रिएक्शन, स्क्रीनशॉट हुआ वायरल

रणवीर सिंह ने फिल्म 'धुरंधर 2' में अपने अभिनय से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है। हजार करोड़ी क्लब में शामिल हो चुकी इस फिल्म की जमकर तारीफ हो रही है। हालांकि, रणवीर के फैंस लगातार यह सवाल कर रहे हैं कि दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'धुरंधर 2' की सक्सेस और इसमें रणवीर की परफॉर्मेंस पर अब तक क्यों कुछ नहीं कहा? उन्होंने पति की तारीफ के मामले में चुप्पी क्यों साध रखी है? इस बीच रणवीर सिंह की तारीफ से जुड़े एक पोस्ट पर दीपिका ने रिएक्शन दिया है।

सवाल करने वालों को दीपिका पादुकोण का जवाब :बीते दिनों दीपिका ने जब फिल्म 'राका' से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था, तब भी यूजर्स ने कमेंट किए कि 'धुरंधर 2' पर क्यों चुप्पी साध रखी है। ऐसे सवाल करने वालों को और ट्रोल करने वालों को दीपिका ने बड़ी शांति के साथ करारा जवाब दे दिया है।

बीते दिनों अनुराग कश्यप ने रणवीर सिंह के काम के प्रति समर्पण और मेहनत की तारीफ की थी। उन्होंने एक बातचीत में फिल्म 'लुटेरा' से जुड़ा किस्सा साझा करते हुए कहा, 'फिल्म 'लुटेरा' में क्लाइमेक्स सीन में रणवीर को गोली लगती है। उस दर्द को असली महसूस करने के लिए रणवीर ने किसी को कुछ बताए बिना अपने पेट पर एक क्लिप लगा ली। उन्होंने इतनी शिद्दत से सीन किया कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा था'। अनुराग कश्यप की इस वायरल रील को दीपिका पादुकोण ने भी लाइक किया है।

पहले भी दे चुकी हैं ट्रोल्स को जवाब: अनुराग कश्यप के रणवीर की तारीफ वाले इस वायरल पोस्ट को दीपिका का लाइक करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। रेडिट सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके स्क्रीनशॉट वयारल हो रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी दीपिका ट्रोल्स का मुंह बंद करा चुकी हैं। फिल्म 'धुरंधर 2' पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहने पर दीपिका पर जब सवाल उठे तो उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर कहा था कि उन्होंने यह फिल्म पहले ही देख ली थी। उन्होंने इस मसले पर उठे सवालों को निराधार बताया। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की 'किंग' में भी नजर आएंगी।

'दादी की शादी' का पोस्टर रिलीज, पहली बार बेटी रिद्धिमा के साथ नजर आएंगी नीतू कपूर, कपिल शर्मा का भी अहम किरदार

'दादी की शादी' में नीतू कपूर और कपिल शर्मा सहित कई सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म में नीतू अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ किसी फिल्म में पहली बार नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है।

पहला लुकः निर्माताओं ने 'दादी की शादी' का पहला पोस्टर लुक शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'दादी इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं और सारे नियम तोड़ रही हैं। क्या परिवार उनके साथ है या उनके खिलाफ? दादी की शादी में, जनरेशन डी से जनरेशन जेड तक सभी आमंत्रित हैं।'

'दादी की शादी' की स्टार कास्टः 'दादी की शादी' में कपिल शर्मा, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, दक्षिण के सुपरस्टार सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब सहित कई सहायक कलाकार हैं। 'दादी की शादी' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग शिमला में हुई है।

700 स्कूली बच्चों के साथ होगा एक गानाः मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म का सबसे रोमांचक हिस्सा इसका क्लाइमेक्स सीक्वेंस है। फिल्म के निर्देशक मोहन ने बताया कि एंड-क्रेडिट सॉन्ग में शिमला और आस-पास के कई स्कूलों के 700 बच्चे, पूरी कास्ट के साथ नजर आएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं फाइनल शूट के लिए पूरी कास्ट को आमंत्रित करूंगा, जो गोल्डन टोबैको फैक्ट्री या फिल्म सिटी में हो सकता है।'

सारा अर्जुन नहीं, साउथ की एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन बनेगी मधुबाला! बायोपिक में निभाएगी मुख्य भूमिका, मेकर्स ने किया संपर्क

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक को लेकर लगातार नई-नई चर्चाएं सामने आ रही हैं। फिल्म में मधुबाला की भूमिका कौन निभाएगा, इसको लेकर हर रोज नए नाम सामने आ रहे हैं। कियारा आडवाणी, अनीत पड्डा और सारा अर्जुन के बाद अब संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में बनने वाली इस फिल्म में एक नई एक्ट्रेस के लीड रोल में नजर आने की चर्चाएं चल रही हैं। बॉलीवुड के बाद अब चर्चाएं साउथ की एक अभिनेत्री के मधुबाला के किरदार में नजर आने की हैं। एक दिन पहले खबर आई थी कि 'धुरंधर 2' की अभिनेत्री सारा अर्जुन से फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है, लेकिन अब एक विशेष सूत्र ने बताया कि इस भूमिका के लिए एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री से संपर्क किया गया है। वह अभिनेत्री कोई और नहीं, बल्कि 'लोका चैप्टर 1' की एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन हैं। इंडस्ट्री से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार मधुबाला की भूमिका निभाने के लिए सारा अर्जुन को नहीं बल्कि कल्याणी प्रियदर्शन को संपर्क किया गया है। सूत्र ने आगे बताया कि भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक को भव्य ट्रिब्यूट देने के उद्देश्य से बनाई जा रही इस फिल्म के निर्माता लोका की सफलता के बाद कल्याणी को लेने के लिए बेहद उत्सुक हैं। बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक का निर्देशन जसमीत के रीन करेंगे। उन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा की फिल्म 'डार्लिंग्स' का निर्देशन किया था। सूत्र के मुताबिक, कल्याणी प्रियदर्शन की बढ़ती लोकप्रियता, उनकी मासूमियत और पर्दे पर दिखने वाला आकर्षण उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त बनाता है। कल्याणी दिग्गज फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी हैं। उन्होंने 2017 में अखिल अक्कीनेनी के साथ फिल्म 'हेलो' से अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'चित्रलहरी', 'रणरंगम', 'वरणे अवश्यामुंड', 'मानाडू', 'थल्लुमाला', 'वर्षंगलक्कू शेषम' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, कल्याणी को व्यापक सफलता पिछले साल आई फिल्म 'लोका- चैप्टर 1' से मिली। बॉक्स ऑफिस पर सफल रही इस फिल्म ने उन्हें साउथ के अलावा नॉर्थ में भी लोकप्रिय बना दिया। कल्याणी प्रियदर्शन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो भुवनेश अर्जुनन द्वारा निर्देशित, 'जीनी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में रवि मोहन, वामिका गब्बी और कीर्ति शेट्टी भी हैं। इसके अलावा कल्याणी के रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' में भी नजर आने की चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अमीर और गरीब देशों के बीच खाई चौड़ी हो रही है : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कई देशों द्वारा सहमत किए गए महत्वपूर्ण कदम, जिनमें प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों का पुनर्गठन भी शामिल था, अब तक केवल अधूरे वादे बनकर रह गए हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने संकेत दिया है कि वैश्विक विकास को उन्नत करने की योजना थी, लेकिन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के उप महासचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्त आकर्षित करने के प्रयासों को और अधिक जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक अत्यंत खतरनाक समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक विचार आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से आकार दे रहे हैं।

किम जोंग उन ने चीन के 'बहुध्रुवीय विश्व' के एजेंडे का समर्थन किया, विदेश मंत्री वांग यी के साथ बढ़ेगी दोस्ती

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चीन द्वारा 'बहुध्रुवीय विश्व' के निर्माण के प्रयासों का पुरजोर समर्थन करते हुए दोनों पारंपरिक सहयोगियों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया है। यह बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई। शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सरकार चीन के 'एक चीन सिद्धांत' के आधार पर उसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगी। यह सिद्धांत बीजिंग की उस आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है कि ताइवान चीन का अविभाज्य अंग है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया।

ईरान ने कहा भारतीयों की नेकी व इंसानियत के हम कायल, शुक्रिया

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे। इसमें कश्मीरी लोगों की खास तौर से सराहना की गई। दूतावास ने खासकर एक कश्मीरी महिला के योगदान की खासी सराहना की। इस महिला ने अपने दिवंगत पति की याद में 28 साल से रखी सोने की निशानी ईरान की मदद के लिए दान कर दी थी।

ईरान को गुपचुप हथियार भेज रहा है चीन, अमेरिकी एजेंसी का खुलासा ; भड़केंगे ट्रंप?

तेहरान , एजेंसी। एक ओर चीन खुद को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने वाले शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों ने दावा किया है कि चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए कंधे से दागे जाने वाले विमान भेदी मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, चीन इन प्रणालियों को तीसरे देशों के माध्यम से भेजने की योजना बना रहा है ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके। ये सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए काल साबित हो सकते हैं। पिछले हफ्ते ईरान ने जिस अमेरिकी एफ-15 जेट को मार गिराया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि उसमें इसी तरह की हैंडहेल्ड हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। यदि यह चीनी निर्मित है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी का सबूत होगा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। एक तरफ चीन ने युद्धविराम कराने में मदद का दावा किया, वहीं दूसरी ओर वह ईरान को हथियार देकर युद्धविराम का उपयोग उसकी सैन्य शक्ति को फिर से संचित करने के लिए कर रहा है। अगले महीने होने वाली ट्रंप-शी वार्ता अब इस खुफिया रिपोर्ट के कारण काफी तनावपूर्ण होने की उम्मीद है। यदि अमेरिका के पास चीनी हथियारों के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो न केवल युद्धविराम टूट सकता है बल्कि अमेरिका चीन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है।

नासा का आर्टेमिस 2 मिशन : कैप्सूल से निकाले गए चारों अंतरिक्ष यात्री, चेहरे पर दिखी खुशी

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस मिशन में शामिल सभी अंतरिक्ष यात्री 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे।

यह ऐतिहासिक वापसी प्रशांत महासागर में सैन डिएगो के तट के पास हुई। कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद पैराशूट सिस्टम के माध्यम से समुद्र में सुरक्षित उतरा। इसके बाद रिकवरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी देर चली प्रक्रिया के बाद अंतरिक्षयात्रियों को सुरक्षित कैप्सूल से बाहर निकाला गया। यहां से सेना का हेलीकॉप्टर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। नासा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है और वे अब यूएसएस जॉन पी. मुर्था पर हैं। इसके बाद उन्हें चिकित्सा कक्ष में ले जाया जाएगा, जहां मिशन के बाद उनकी चिकित्सा जांच की जाएगी। यूएसएस जॉन पी. मुर्था के डेक पर क्रिस्टीना और विक्टर के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, क्योंकि वे मिशन के बाद की नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाए जाने का इंतजार कर रहे थे।'

नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने भी ओरियन की पृथ्वी वापसी पर सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हमारे दल ने नासा आर्टेमिस मिशन 2 के दल को चंद्रमा की यात्रा से लौटते समय पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हुए देखा! मॉड्यूल के जलने के साथ ही हमें सबसे पहले एक तेज रोशनी और एक लकीर दिखाई दी। हमने ओरियन कैप्सूल को सीधे प्रवेश करते हुए नहीं देखा, लेकिन वायुमंडल के ऊपरी भाग में उसके द्वारा छोड़ी गई धुंधली लकीर को अवश्य देखा। अपने साथियों के इस अद्भुत मिशन के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई!

पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

तनाव के बीच जवाबी कार्रवाई करते हुए इक्वाडोर पर कोलंबिया 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश इक्वाडोर से आयात पर शुल्क 30 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देगा। यह कदम क्विटो द्वारा एक दिन पहले लिए गए निर्णय के अनुरूप है, क्योंकि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। व्यापार मंत्री डायना मोरालेस ने एक बयान में कहा कि इक्वाडोर द्वारा शुल्क में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की नवीनतम वृद्धि ने कोलंबिया को अपनी नीति में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। डायना मोरालेस कहा, 'हमने सभी राजनयिक प्रयास किए और इक्वाडोर सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जिससे दोनों देशों, व्यापारियों और सबसे बढ़कर सीमा के दोनों ओर के समुदायों को लाभ हो। हालांकि, हमें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए हम अपने टैरिफ उपायों को इक्वाडोर की नई दर के अनुरूप समायोजित करने के लिए मजबूर हैं। कोलंबिया सरकार प्रभावित व्यवसायों की मदद के लिए क्रेडिट लाइन और वित्तपोषण तक पहुंच सहित सहायता उपाय शुरू करेगी।

व्यापार घाटे का हवाला देते हुए और कोलंबिया पर साझा सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए इक्वाडोर ने हाल के महीनों में अपने बड़े पड़ोसी देश के खिलाफ टैरिफ बढ़ा दिए हैं, जबकि कोलंबिया ने इन आरोपों से इनकार किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के उस बयान पर भी दोनों देशों के बीच टकराव हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को 'राजनीतिक कैदी' के रूप में रखा गया है और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

इक्वाडोर और कोलंबिया के बीच बढ़ता तनाव पेट्रो के राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम महीनों में सामने आया है। 2022 में चुने गए पेट्रो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति हैं और देश के छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष में शामिल एक पूर्व विद्रोही हैं।

हत्या का वीडियो साझा कर ट्रंप ने आव्रजन नीति को ठहराया सही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में हुई एक महिला की हत्या का कथित वीडियो साझा करते हुए अपनी सरकार की निर्वासन नीति को सही ठहराया। यह हमला कथित रूप से हैती मूल के एक प्रवासी द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय रोलबर्ट जोएकिन को 2 अप्रैल को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में एक महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह शहर मियामी से लगभग 160 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी हैती से है और 2022 में अमेरिका आया था। मृतका की पहचान 51 वर्षीय निलुफा इस्मिन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश मूल की थीं और दो बेटियों की मां थीं। ट्रंप ने गुरुवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह वीडियो साझा किया। ट्रंप अक्सर दावा करते रहे हैं कि प्रवासी अमेरिका में अपराध बढ़ा रहे हैं, और इस घटना को उन्होंने अपने इसी दावे के समर्थन में पेश किया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप सभी प्रवासियों को अपराधी के रूप में पेश कर अपनी आव्रजन नीति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, जबकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में हिंसक या अन्य अपराधों में कम शामिल होते हैं। पुलिस के अनुसार, निलुफा ईसमिन गैस स्टेशन के एक सुविधा स्टोर में क्लर्क के रूप में काम कर रही थीं। घटना स्टोर के बाहर हुई और आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि आरोपी एक वाहन पर हथौड़े से वार करता दिखता है। इसी दौरान पीड़िता बाहर आकर उससे सवाल करती नजर आती हैं। इसके बाद आरोपी अचानक उनके सिर पर हथौड़े से हमला कर देता है, जिससे वे जमीन पर गिर जाती हैं। इसके बाद आरोपी कई बार हमला करता है और मौके से फरार हो जाता है। पुलिस के अनुसार, बाद में आरोपी को सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया और उसने अपराध कबूल कर लिया।

अमेरिका का दावा- होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल, अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान की इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पास उन्हें हटाने की क्षमता भी नहीं है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में उठ सकता है मुद्दा : न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के लिए यह स्थिति एक बड़ी बाधा साबित हो रही है।

दरअसल, अमेरिका ने मांग की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को आवागमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए। यह मुद्दा ईरानी वार्ताकारों और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता के लिए भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

बारूदी सुरंगों से बनाया दबाव, अब वही बनीं सिरदर्द : अमेरिका-इस्त्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल कर होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगों का जाल बिछाया था। इन बारूदी सुरंगों के साथ-साथ ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के खतरे ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों और अन्य जहाजों की संख्या को काफी कम कर दिया था।

इसकी वजह से ऊर्जा की कीमतें बढ़ गईं और ईरान को युद्ध में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक बड़ा मौका मिला। हालांकि, ईरान ने होर्मुज में एक रास्ता खुला छोड़ दिया था, जिससे शुल्क का भुगतान करने वाले जहाजों को गुजरने की अनुमति मिल गई थी।

आईआरजीसी ने जारी की चेतावनी : ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने की चेतावनी जारी की है। वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार संगठनों ने सुरक्षित मार्गों को दिखाने वाले चार्ट जारी किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ये सुरक्षित मार्ग सीमित हैं, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को अव्यवस्थित तरीके से बिछाया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने हर बारूदी सुरंग की सटीक स्थिति दर्ज की थी या नहीं। यहां तक कि जब स्थानों को दर्ज भी किया गया था, तो कुछ बारूदी सुरंगों को इस तरह से रखा गया था कि वे बह सकती थीं या हिल सकती थीं।

कानूनी पचड़े में फंसे प्रिंस हैरी

लंदन, एजेंसी। प्रिंस हैरी ने अपनी दिवंगत मां राजकुमारी डायना की याद में अफ्रीका में एक चैरिटी की स्थापना की थी। अब उसी चैरिटी ने प्रिंस हैरी पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हैरी ने पिछले साल इस संस्था के संरक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था। सेंटेबाले नामक यह संस्था बोत्सवाना और लेसोथो में एचआईवी से पीड़ित युवाओं के लिए काम करती है। सेंटेबाले ने पिछले महीने लंदन के हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया। अब यह जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन दस्तावेजों के अनुसार, हैरी और उनके मित्र मार्क डायर (जो पहले इस चैरिटी के ट्रस्टी रह चुके हैं) पर मानहानि का आरोप लगाया गया है, हालांकि मामले से जुड़े विस्तृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। चैरिटी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, '25 मार्च 2025 से चलाए जा रहे एक समन्वित नकारात्मक मीडिया अभियान के कारण संस्था के कामकाज और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर चैरिटी अदालत से हस्तक्षेप, संरक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग कर रही है।' वहीं, हैरी और डायर के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और अपमानजनक बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले तीन वर्षों में प्रिंस हैरी कई कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। ब्रिटेन के प्रमुख टैबलाइड्स के खिलाफ निजता के उल्लंघन और फोन हैकिंग जैसे आरोपों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। करीब 20 वर्ष पहले स्थापित सेंटेबाले का अर्थ लेसोथो की भाषा में 'फॉरगेट मी नॉट' होता है। इस संस्था की सह-स्थापना हैरी ने प्रिंस सीइसो के साथ मिलकर की थी, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर प्रिंसेस डायना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साल 2023 में संस्था में फंडरेजिंग रणनीति को लेकर मतभेद सामने आए। इसके बाद मार्च 2025 में दोनों संस्थापकों ने कुछ ट्रस्टियों के इस्तीफे के समर्थन में संरक्षक पद छोड़ दिया। बोर्ड की अध्यक्ष चंदौका ने हैरी पर उन्हें पद से हटाने के लिए धमकाने और उत्पीड़न का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण; 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं।

कैसा होगा प्रस्तावित आर्च : इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वॉशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक सभी अमेरिकी उठा सकेंगे। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बड़े बदलाव : यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंगन में बदल दिया है। यह मेहराब व्हाइट हाउस के दायरे से भी आगे बढ़कर, ट्रंप को एक ऐसे शहर में अपनी एक स्थायी विरासत छोड़ने का अवसर देगा जो पहले से ही स्मारकों के लिए जाना जाता है।

ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वर्चुअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी। एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है। इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगें और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, दोनों देशों में सिर्फ एक ही बात समान है कि युद्ध से बाहर निकलने की जरूरत। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्तावों को 'धोखा' करार दिया है और आरोप लगाया है कि ईरान टैंकरों की आवाजाही में बाधा डाल रहा है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी शर्तें साफ कर दी हैं। मोहम्मद बाक़िर गालिबफ ने कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले 'ब्लॉक किए गए संपत्तियों' की रिहाई जैसे मुद्दों का समाधान जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com